

### जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग वितरित



**समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह**  
**फरीदाबाद।** एनटीपीसी फरीदाबाद की सीएसआर पहल के अंतर्गत बुधवार को दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण एवं नेत्र शिविर समापन समारोह का आयोजन नवपथ कौशल विकास केंद्र, एनटीपीसी प्लॉट परिसर में किया गया। डीसी विक्रम सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए और पौधरोपण व दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीसी विक्रम सिंह ने कार्यक्रम में आसपास के सात गांव के जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सीएसआर के तहत 41 जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग का वितरण किया और 65 बुजुर्ग व जरूरतमंद लोगों को मोतियाबिंद रोग की सर्जरी की सुविधा भी दी गई। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत शुरू किए जा रहे कौशल विकास केंद्र की शुरुआत भी की।

### फरीदाबाद, बल्लभगढ़ व बड़खल सहित नगर निगम में भी आयोजित हो रहे हैं समाधान शिविर



**समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह**  
**फरीदाबाद।** फरीदाबाद में नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया गया जिसके द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें सरकारी सेवाओं से जोड़ना है। बुधवार को डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में एसडीएम फरीदाबाद शिखा ने जन सुनवाई की और बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए लग रहे समाधान शिविर में आमजन अपनी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा भी निरंतर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों की निगरानी की जा रही है। इस शिविर का आयोजन हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन से जरूरतमंद लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर प्रतिदिन यह शिविर कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाया जा रहा है। समाधान शिविर पर प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड आदि शिकायतें शामिल हैं।

**समाचार गेट/सुमित गोयल**  
**फरीदाबाद।** ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को 25 जनवरी जन्म-दिवस की बधाई देते हुए शाल ओढ़ाकर व फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उनके सरकारी निवास पर हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ प्रधान गिरीश चंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार जांगड़ा की मौजूदगी में प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा संयुक्त रूप से बधाई दी। जहां पर हरियाणा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शर्मा और प्रदेश महासचिव अखिल नाथ व पत्रकार एवं संरक्षक वैध पंडित प्रमोद कौशिक एवं एसोसिएशन संरक्षक व हरियाणा प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स फेडरेशन के प्रदेश महासचिव सरदार गुरमीत सिंह देओल और प्रदेश संगठन सचिव अरविंद बक्शी भी उपस्थित रहे। आपको बता दें कि, पहली बार

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा दिया निमंत्रण

**समाचार गेट/सुमित गोयल**  
**फरीदाबाद।** ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को 25 जनवरी जन्म-दिवस की बधाई देते हुए शाल ओढ़ाकर व फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उनके सरकारी निवास पर हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ प्रधान गिरीश चंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार जांगड़ा की मौजूदगी में प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा संयुक्त रूप से बधाई दी। जहां पर हरियाणा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शर्मा और प्रदेश महासचिव अखिल नाथ व पत्रकार एवं संरक्षक वैध पंडित प्रमोद कौशिक एवं एसोसिएशन संरक्षक व हरियाणा प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स फेडरेशन के प्रदेश महासचिव सरदार गुरमीत सिंह देओल और प्रदेश संगठन सचिव अरविंद बक्शी भी उपस्थित रहे। आपको बता दें कि, पहली बार



विधायक से लेकर मंत्री बनने तक हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी प्रदेशाध्यक्ष और कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद व संसद में श्रम की स्थायी समिति के सदस्य भी रहे। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार जांगड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आमजन सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। अगली कड़वी में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार जांगड़ा ने बताया कि, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को निमंत्रण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में जनसेवा और समाज कल्याण की भावना से प्रेरित होकर अंतर्राष्ट्रीय

सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही, थैलेसीमिया पीड़ितों को ब्लड फिल्टर मशीन भी भेंट की जाएगी, ताकि उनके उपचार में सहायक हो सके।  
 भेदी नजर, दैनिक समाचार पत्र के प्रधान संपादक गिरीश चंद्र शर्मा ने बताया कि, हमने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को फरीदाबाद में कार्यक्रम को लेकर निमंत्रण दिया है। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर दौरान थैलेसीमिया मरीजों को खाद्य सामग्री एवं ब्लड फिल्टर मशीन भेंट हेतु सादर निमंत्रण दिया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से अपील करते हुए उन्हें कहा कि, अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर हमें कृतार्थ करें आपके उपस्थिति हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात होगी। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक सरदार गुरमीत सिंह देओल और प्रदेश महासचिव महासचिव अखिल नाथ ने मुख्यमंत्री से अपनी सहमति प्रदान करने की अपील की ताकि हम आपके स्वागत एवं कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था कर सकें।

### परम धर्म संसद में तीन पीठ के शंकराचार्य पहली बार एक साथ एक मंच पर दिखें

**समाचार गेट/सुमित गोयल**  
**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश में चल रहे महाकुंभ में द्वारका शारदा पीठ एवं ज्योतिष पीठ के ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी ने कहा है बहुत प्रसन्नता है की तीन पीठ के शंकराचार्य त्रिवेणी गंगा के तट पर एक साथ उपस्थित हैं। लोग एक शंकराचार्य के दर्शन के लिए तरसते हैं और आज यहाँ परमधर्मसंसद में समुपस्थित लोगों का परम सौभाग्य है कि एक साथ तीन शंकराचार्यों के दर्शन लाभ ले पा रहे हैं। हमें पूर्ण विश्वास है गौ हत्या अवश्य बंद होगी। वीरदावली -

ब्रह्मविद्यानंद जी द्वारका के शंकराचार्य स्वामी सदानंद जी ने कहा कि हम सब सनातन धर्मावलंबी हैं हम आत्मा को अजर-अमर मानते हैं पूरे विश्व में जो भी दिखायी दे रहा है वो परमब्रह्म परमात्मा का विलास मात्र दिखायी पड़ता है। वेद संस्कृत भाषा में ही है इसलिए हमारी मूल भाषा संस्कृत है। जितना भी हमारा धार्मिक साहित्य है सब संस्कृत में है इस लिए संस्कृत भाषा का बहुत महत्व है। परमधर्मसंसद किसी भी परिस्तर में नहीं हो सकता वहीं हो सकता है जहाँ विद्वान विद्यमान हो।



शंकराचार्य महाराज द्वारा चलाया जा रहा धर्मसंसद सनातनियों के धार्मिक हित के लिए अतन्त्र आवश्यक है। जैसे दूध में पानी की मिलावट की जाति है वैसे ही नकली धर्माचार्य बनाये जा रहे हैं रही है इसलिए हमें बहुत सचेत रहने की और अपने वास्तविक धर्माचार्य को पहचानने की आवश्यकता है। अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म स्वयं हमारी रक्षा करेगा।

### सियाराम सेवा मंडल महिला टीम द्वारा किया संगीतमय सुंदरकांड पाठ आयोजित



**समाचार गेट/सुमित गोयल**  
**बल्लभगढ़।** सियाराम सेवा मंडल की महिला टीम एवं श्री वैश्य अग्रवाल समाज अग्रसेन भवन चावला कॉलोनी बल्लभगढ़ द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन अग्रवाल धर्मशाला चावला कॉलोनी में किया गया। उक्त जानकारी देते हुए श्रीमती प्रेरणा अग्रवाल एवं श्रीमती अक्कू ठुकराल ने बताया कि अयोध्या में रामलला को स्थापित होने की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया था। सुंदरकांड पाठ में आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के आयोजन में पूनम मंगला, शकुंतला सिंघल, सविता अग्रवाल, हेमा जैन, पूनम अग्रवाल, यशिका अग्रवाल उमा अग्रवाल, अंजना गोयल, रितु गोयल, छवी बंसल, रेनु गुप्ता, नेहा गोयल, कौशल अग्रवाल, एवं चावला कॉलोनी की महिलाओं का प्रमुख योगदान रहा। सीमा सिंगला ने कुमकुम लगाकर आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव शारदा राठौर, पूर्व पार्षद दीपक चौधरी, श्रीमती वंदना बंसल श्रीमती नेहा गर्ग, भाजपा नेता महेश गोयल, भगवानदास गोयल, कन्हैया गोयल, जय किशन गर्ग, सुनील गोयल, गोपाल गोयल, ईश्वर दयाल गोयल, लोकेश अग्रवाल, राजेश गुप्ता, अशोक अग्रवाल, मुकेश मिश्र, सतीश मंगला, ज्ञानचंद गोयल, सुमित मंगला, वरिष्ठ कवि पुनीत पांचाल, जितेंद्र सिंगला, ललित गोयल, कन्हैया गर्ग, नरेश अग्रवाल एवं अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित ब्रह्माहुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

### नगर निगम सख्त प्रतिबंध पॉलिथीन व गंदगी फैलाने सहित अलग अलग मामलों में किए 171 चालान

**समाचार गेट/सुमित गोयल**  
**फरीदाबाद।** नगर निगम फरीदाबाद द्वारा अलग-अलग जॉन में सफाई विभाग द्वारा खुले में गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलिथीन सहित दो दिन में लगभग 171 चालान किए हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के मिशन को पूरा करने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश भर में स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी दिशा में नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के मार्गदर्शन में फरीदाबाद नगर निगम के सफाई विभाग द्वारा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है और नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जा रही है। निगम पीआरओ से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सफाई विभाग द्वारा सोमवार और मंगलवार को अलग अलग जॉन में निगम की सफाई विभाग की टीम ने लगभग 171 चालान किए गए हैं। इन चालानों में खुले में गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित पॉलिथीन के प्रयोग और अन्य कई प्रकार के चालान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। निगम विभाग लोगों से अपील करता है कि खुले में जगह जगह कूड़ा न डालें और प्रतिबंधित पॉलिथीन के प्रयोग से बचे, ताकि फरीदाबाद शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके।

## तिगांव ब्लॉक समिति की वाइस चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित

### वाइस चेयरमैन शशि को पद से हटाया गया



**समाचार गेट/ब्यूरो**  
**फरीदाबाद।** तिगांव ब्लॉक समिति की वाइस चेयरमैन भैंसरावली निवासी शशि के खिलाफ मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। प्रस्ताव पारित होने पर उन्हें तत्काल पद से हटा दिया गया। शशि के विरोध में 12 मत पड़े, जबकि पक्ष में केवल 4 मत मिले। वाइस चेयरमैन शशि केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की खास समर्थक मानी जाती हैं। सेक्टर-12 सदस्यों ने मत दिया। जबकि उनके पक्ष में कुल चार मत ही पड़े। मंजिल के कांग्रेस हाल में मंगलवार

दोपहर एडीसी साहित गुप्ता व बीडीपीओ अजित सिंह की मौजूदगी में अविश्वास प्रस्ताव के लिए वोटिंग हुई। वाइस चेयरमैन के खिलाफ 12 सदस्यों ने मत दिया। जबकि उनके पक्ष में कुल चार मत ही पड़े। अविश्वास प्रस्ताव के दौरान तिगांव

## बिजेन्द्र नेहरा ने किया पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनता की समस्याओं का समाधान



**समाचार गेट/संजय शर्मा**  
**फरीदाबाद।** बिजेन्द्र नेहरा प्रदेश प्रवक्ता भाजपा हरियाणा एवं प्रदेश सह चुनाव अधिकारी भाजपा

हरियाणा ने अपने साहपूरा जट चौक भाजपा पृथला विधानसभा क्षेत्र कार्यालय पर जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का

समाधान किया। इस अवसर पर आए पृथला विधानसभा क्षेत्र के चारों नवनियुक्त मण्डल अध्यक्षों छायांसा मण्डल से रिंकू सैनी, फतेहपुर

मण्डल से सुरेन्द्र शर्मा, सीकरा मण्डल से अजय शर्मा, पृथला मण्डल से कृष्ण खुटेला आदि उपस्थित रहे।

## समाधान शिविर साबित हो रहे लाभकारी, आमजन कर रहे मुख्यमंत्री का धन्यवाद

### जॉइंट कमिश्नर गजेंद्र सिंह ने सुनी समाधान शिविर में शिकायते

**समाचार गेट/संजय शर्मा**  
**फरीदाबाद।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के निर्देशानुसार फरीदाबाद नगर मुख्यालय सहित सभी निगम जॉन में लगाए जा रहे समाधान शिविर लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं। सेक्टर 46 से शिविर में आए ऋषिपाल सिंह का कहना है कि उनकी प्रॉपर्टी आईडी में दिक्कत आ रही थी और सर्टिफिकेट मिलने में देरी हो रही थी लेकिन जब वह समाधान शिविर में पहुंचे तो उनका काम चंद मिनेट में हो गया और उन्होंने इस बात के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया कि समाधान शिविर लोगों को काफी लाभ दे रहे हैं समय पर समस्याएं भी दूर हो रही हैं। समाधान शिविरों में शिकायत लेकर आने वाले लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निपटारा जा रहा है। अधिकारी पूरी निष्ठा के साथ समाधान शिविर में प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे



से दोपहर 12 बजे तक निगम सभागार कक्ष में आयोजित कर आमजन की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए समस्याओं हरियाणा सरकार की इस पहल के अंतर्गत लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनकी सुनवाई नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर गजेंद्र सिंह ने पूरे धैर्यपूर्वक की। जॉइंट कमिश्नर ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सभी निगम जॉन में समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया जाता है और कुछ शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए। कुछ अवैध निर्माणों के संदर्भ में शिकायतों को डीटीपी इंफोसमेंट को भी भेजा गया है जबकि सीवर ओवरफ्लो की समस्याओं को सख्त के

### हरियाणा गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग गुरुवार को फरीदाबाद में

**समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह**  
**फरीदाबाद।** हरियाणा गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग गुरुवार, 30 जनवरी को फरीदाबाद पहुंचेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार को श्री गर्ग दोपहर 12 बजे लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों व जिले की सभी गौशाला प्रबंधकों के साथ संयुक्त बैठक करेंगे और बैठक के पश्चात जिला फरीदाबाद स्थित गौशालाओं का निरीक्षण करेंगे।

### प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पृष्ठताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किस्मान काल सेक्टर	1551
नागरिक काल सेक्टर	155300
ब्लड बैंक	948004444

### अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।

**नोट: मेल में नाम, पता और मोबाइल नंबर जरूर लिखें।**  
 samachargate@gmail.com

# महाकुंभ में तीन शंकराचार्यों ने किया अमृत स्नान

नागा साधुओं ने तलवार लहराई, श्रद्धालुओं ने पैरों की धूल बटोरी, हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए



**प्रयागराज।** महाकुंभ का 29 जनवरी को 17वां दिन है। मौनी अमावस्या पर सबसे पहले तीन शंकराचार्यों ने अमृत स्नान किया। अब साधु-संत छोटे-छोटे ग्रुप में अपने इष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान कर रहे हैं। जून अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज रथ पर निकले। नागा साधुओं ने तलवार लहराई। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। हेलिकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। इससे पहले तड़के अखाड़ों के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भागदड़ के बाद संगम पर हालात बेकाबू हो गए। प्रशासन ने तुरंत अखाड़ों से अपील की- स्नान के लिए न जाएं।

साधु-संतों ने बैठक की। पहले तय हुआ कि अखाड़ों के साधु-संत मौनी अमावस्या पर स्नान नहीं करेंगे। हालात पर 3 घंटे में काबू पा लिया गया। सीएम ने अखाड़ों से बात की। संत अमृत स्नान के लिए राजी हो गए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया, 'हम अपने देवता के साथ सांकेतिक अमृत स्नान करेंगे। कोई बड़ा जुलूस नहीं निकालेंगे।' अब तक 5.71 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई है। वहीं, 28 जनवरी तक 20 करोड़ लोग महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। प्रशासन की कोशिश है कि आसपास के घाटों पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं को वापस किया जाए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा, हम अमृत स्नान के लिए जा रहे हैं। हजारों संत और नागा

संन्यासी मेरे साथ हैं। हम जल्द ही घाटों से हट जाएंगे। ताकि श्रद्धालु पवित्र स्नान कर सकें। दिगंबर अखाड़े के साधु-संत बैड बाजे के साथ अमृत स्नान के लिए निकले हैं। आगे-आगे धर्म ध्वजा थांम संत चल रहे हैं। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विद्यु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। जगदुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, बहुत आनंद आ रहा है। आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी कैलाशानंद गिरि ने संगम तट पर अमृत स्नान किया। उन्होंने

कहा, आज हमने गंगा पूजन किया और लोगों की शांति और समृद्धि के लिए पूजा की। मैं प्रशासन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को 'स्नान' के लिए किए गए सभी इंतजामों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। जगदुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, देश के तीनों शंकराचार्य आज यहां पवित्र स्नान करने जा रहे हैं। कल देर रात हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और सभी दुखी हैं लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। मैं श्रद्धालुओं से अपील करता हूँ कि वे धैर्य रखें और कुंभ क्षेत्र में कहीं भी पवित्र स्नान करें। ऐसा कोई विशेष स्थान नहीं है जहां श्रद्धालु डुबकी लगाने के लिए एकत्र हों। जून अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा- हमने सोचा

कि हमारी वजह से श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसलिए हमने स्नान स्थगित कर दिया। अब स्थिति नियंत्रण में है, इसलिए हम स्नान करने आए हैं। सभी अखाड़े एक साथ स्नान करने जा रहे हैं। मेरा संदेश है कि भारत एक होना चाहिए और हमें जातियों के आधार पर नहीं बंटना चाहिए...हम हिंदू हैं, हम सनातनी हैं। जून अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज और महंत हरि गिरि समेत बड़ी संख्या में साधु-संत स्नान के लिए अखाड़े से रवाना हुए हैं। मौनी अमावस्या के अवसर पर त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान कर रहे साधु-संतों पर पुष्प वर्षा की गई। नागा साधु अमृत स्नान के लिए संगम जा रहे हैं। हाथों में त्रिशूल, तलवार और डमरू लिए नागा साधु हर-हर महादेव का जयकारा लगा रहे हैं। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर

कैलाशानंद महाराज रथ पर सवार होकर अमृत स्नान के लिए निकले। बाकी साधु-संत पैदल चल रहे हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में कई पॉइंट पुल बंद होने से लोगों में गुस्सा है। पैदल चलते-चलते लोग परेशान हैं। पुलिस से लोगों से लगातार बहस हो रही है। मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के बाद पंचायती निरंजनी अखाड़े के दिगंबर नागा बाबा चिदानंद पुरी ने कहा, आज एक अप्रत्याशित घटना के कारण हमारी (अखाड़ों की) शोभा यात्रा नहीं निकाली जा सकी। अब हम कम संख्या में पवित्र डुबकी लगाने आ रहे हैं। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम पर दूसरे अमृत स्नान पर एक साधु ने कहा, इस पवित्र अवसर पर सभी को गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगानी चाहिए। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं, जिसके कारण अव्यवस्था फैली।

## संक्षिप्त डायरी

दुष्कर्म एवं कत्ल की वारदात को अंजाम देने वाले दो गुनाहगारों को उम्रकैद की सजा, दो लाख रुपये का जुमाना

संवाददाता

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मझगाँव गाँव में 1 जनवरी 2023 को गाँव की ही एक 35 वर्षीय महिला जंगल में लकड़ी लेने गई हुई थी, जब शाम 6 बजे तक वो वापस घर लौटकर नहीं आई, तो महिला के घरवालों ने उसे ढूँढना शुरू किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला, जबकि 2 जनवरी को करीब 11 बजे सुबह को जंगल की झाड़ियों में कालीचरन की पत्नी का शव पड़ा हुआ मिला। वारदात के मुताबिक कालीचरन की पत्नी के साथ दुष्कर्म के बाद कत्ल की वारदात को अंजाम देकर अभियुक्तों ने शव को गाँव के जंगल की झाड़ियों में फेंक दिया गया था। इस सनसनीखेज मामले में 35 वर्षीय मृतक महिला के पति कालीचरन की तहरीर पर मझगाँव थाने में 2 जनवरी 2023 को अंसं०- 03/2023 धारा 376डी, 302,34,201 आईपीसी के तहत थानाक्षेत्र के ग्राम झिनीवारा निवासी अभियुक्त करन दीमर पुत्र मोहन सहित थाना क्षेत्र के ही गुगरवारा निवासी राम प्रकाश पुत्र कालीचरन खंगार हमीरपुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विकशन के तहत 28 जनवरी 2025 को हमीरपुर की अपर जिला सत्र एफटीसी अदालत के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने अभियुक्त करन दीमर सहित रामप्रकाश को गुनाहगार मानते हुये धारा 376डी, 302,34,201आईपीसी के तहत उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ दो लाख रुपये का हुआ जुमाना, जबकि जुमानों की रकम से अपनी हजार रुपये बतौर मुआवजा मृतक के वारिसान को देने का आदेश हुआ है, जबकि इस सनसनीखेज मामले की जांच आईओ तत्कालीन मझगाँव एसओ पंकज तिवारी ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी,वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में जोरदार पैरवी करते हुये एडीजीसी विशम्भर पाल सहित महेश चन्द्र ने अपनी दमदार दलीलों से बचाव पक्ष के वकीलों की बोलीतों बंद कर दोनों शांति अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा के साथ ही दो लाख रुपये का जुमाना कराने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

एडीजीसी: विशम्भर पाल, महेश चन्द्र

## बौद्ध भिक्षुओं के धम्म वंदना व पूजन के बीच पवित्र स्तूप का हुआ उद्घाटन



**संवाददाता**  
**कसया, कुशीनगर।** बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित श्रीलंका बुद्ध विहार में धम्म स्तूप का उद्घाटन इंटरनेशनल त्रिपीटिका चिटिंग काउन्सिल की डायरेक्टर वंगमो डिकसे ने बौद्ध भिक्षुओं के धम्म पाठ और विधिवत पूजन अर्चन कर किया। कुशीनगर में आयोजित इंटरनेशनल चिटिंग में आयी वंगमो डिकसे ने बीते शनिवार को उद्घाटन के पश्चात स्तूप के महत्व को बताया 'तीन माह पूर्व बोधगया से मंगाए गए स्तूप को श्रीलंका बुद्ध विहार में स्थापित किया गया है ' बुद्ध विहार

के मुख्य भंते डॉ नन्द रतन महा ठेरे ने कहा कि शुभ वर्ष 2024 में कई पवित्र स्थलों पर बुद्ध बचन का पाठ हुआ 'जिसके स्मृति में 23 स्तूप बनाये गए ' ये स्तूप शाक्य मुनि बुद्ध, धर्म, कलतीत प्रकृति और संघ, पाठ को रखने वाले लोगों व मुक्ति का उज्ज्वल मार्ग व संवेदनशील प्राणियों के लिए दयालु प्रदर्शन का प्रतीक है ' इस दौरान भंते ऊ नंदका, भंते विनय कीर्ति, भंते शील रतन, भंते तेजेंद्र, भंते अलोक, धम्म श्री आदि सहित अमेरिका, कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस, वर्मा, श्रीलंका, थाई के भिक्षु व उपासक मौजूद थे।

## स्वागत से अभिभूत राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा और मजबूत होगा संगठन

**संवाददाता**  
**कसया कुशीनगर।** श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नवागत जिलाध्यक्ष किस्मत सिंह उर्फ विनोद सिंह के प्रथम जनपद आगमन पर सेना के पदाधिकारियों ने फूल मलाओं से जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी व प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी के अनुमोदन पर प्रदेश सदस्यता प्रभारी श्री उपेन्द्र प्रताप सिंह ने 26 जनवरी को श्री सिंह को कुशीनगर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है ' नव नियुक्त जिला अध्यक्ष विनोद सिंह जैसे ही जनपद की



सीमा में प्रवेश किये सुकरीली, हेतिमपुर, कुशीनगर, कसया ओवर ब्रिज व बाड़ी पुल आदि दर्जनों जगहों पर स्वागत किया गया ' श्री

सिंह ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसको पूरे मनोयोग से निर्वहन किया जायेगा और राजपूत समाज पर होने वाले

हर प्रहार का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन के मजबूत बनाने के लिए हर ग्राम सभाओं में सदस्य बनाया जायेगा. संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को पद की गरिमा को रखते हुए बेखुबी निर्वहन किया जायेगा पूरे जिले में अपने संगठन को एक अलग पहचान बनायेगे ' इस मौके पर विनय प्रताप राव, आदर्श प्रताप सिंह, अरुण प्रताप राव, अभिषेक सिंह, डा. रितेश सिंह, गौश सिंह, मनोज प्रताप राव, सिंदूर राव, जितेंद्र सिंह, नवीन सिंह, मिंदू सिंह, विंध्यवासिनी चौरसिया मौजूद थे '

## लखनऊ में कैम्पस ड्राइव में पहुंचे 1500 से ज्यादा स्टूडेंट

**लखनऊ।** राजकीय पॉलिटेक्निक में बुधवार को टाटा मोटर्स के कैम्पस ड्राइव के दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। इनमें बड़ी संख्या फोमेल स्टूडेंट्स की रही। जांच के साथ बोटिक की डिग्री हासिल करने को लेकर स्टूडेंट्स में जबरदस्त रूझान दिखा। सुबह करीब 9 बजे से शुरू हुए इंटरव्यू शाम 5 बजे तक जारी रहा। हालांकि, कुछ स्टूडेंट्स इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों में असहज भी होते देखे। बड़ी बात ये रही कि प्रदेशभर के कई जिलों से स्टूडेंट्स इस कैम्पस ड्राइव में भाग लेने पहुंचे थे। राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ के प्रधानाचार्य संजीव सिंह ने बताया कि पहले दिन 1200 स्टूडेंट्स ने



इंटरव्यू दिया। वहीं बुधवार को दूसरे और अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स कैम्पस ड्राइव में शामिल होने पहुंचे। ज्यादातर स्टूडेंट्स ने इंटरव्यू के दौरान सही जवाब दिए। उम्मीद है कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स का फाइनल सिलेक्शन होगा। राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ऑफिसर डॉ. एसपी सोनी ने बताया कि टाटा मोटर्स के नाम पर स्टूडेंट्स में गजब का उत्साह दिख रहा है।

## कामायनी फाउंडेशन द्वारा वाराणसी में गरीब एवं असहाय लोगों को वितरित किए कम्बल



**संवाददाता**  
**वाराणसी/ग्रेटर नोएडा।** कामायनी फाउंडेशन के द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीतलहरी से बचने हेतु गण मान्य व्यक्तियों के नेतृत्व में कासी विश्वनाथ की नगरी जनपद वाराणसी में विभिन्न स्थानों पर गरीबों के बीच कंबलों का वितरण कराया जा रहा है। इसी श्रृंखला में कामायनी फाउंडेशन द्वारा संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीन कुमार सैन,गाजियाबाद निवासी नरेंद्र सिंह, नरेश सिंह, ग्राम पिपाला



इखलाशपुर निवासी बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इस दौरान कामायनी फाउंडेशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीन



कुमार सैन जी बताया कि ङ्गोहेगा भारतह शुभेम के तहत कंबलों का वितरण किया जा रहा है और कामायनी फाउंडेशन द्वारा जल्द ही गरीब व असाह परिवारों की बेटियों को शादी हेतु भी मदद के लिए कार्ययोजना तैयार कि जा रही है ' उन्होंने यह भी बताया कि कन्या दान महा दान होता है ' इसमें हम सभी को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ' हमारा कामायनी फाउंडेशन जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं के उत्थान के लिए उन्हें शिक्षा,रोजगार, सामाजिक समर्थन प्रदान करना लड़कियों की शादी के लिए आर्थिक मदद प्रदान करने के साथ महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना है '

## कृषि भ्रमण से लौटे किसान ने विभिन्न खेती के बताये लाभ

**कुशीनगर।** रामकोला विकास खण्ड के ग्राम सोनहा में उग्र गण किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा वसंतकालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को गन्ने की सह फसली खेती की जानकारी दी गयी तो दक्षिण भारत से कृषि अध्ययन कर लौटे किसान लक्ष्मी प्रताप मल्ल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दो एकड़ में गन्ने के साथ आलू बोया हूँ जो प्रति एकड़ 100 से 110 दिन में तैयार होगा ' जो प्रति एकड़ 60 से 90 कुंतल होगा ' गन्ना संस्थान के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रजाति को.0118, को. शा.



13235, 18231, को.से. 8452, को.शा.9232 की बुवाई की सलाह दी ' जिन खेतों में पानी लगता है उसमें यू.पी. 5125 को.शा. 10239, को. पी. 9301, बोये, जल भराव वाले खेतों में अधिक पानी की दशा में कोई प्रजाति सफल नहीं होगी, लगातार एक खेत में गन्ना न बोयें ' भूमि उपचार के लिए ट्राईकोडर्मा मात्रा

4 किग्रा. प्रति एकड़ गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर, 4 से 6 दिन किसी छाया में रखे, अंतिम जूताई के समय प्रयोग करें। ध्यान रहे जिस किसान को एक एकड़ खेत से 180 से 200 कुंतल गन्ना निकल रहा है। उसको गन्ना से कोई लाभ नहीं मिलेगा ' बुवाई, मजदुरी व चीनी मिल भेजने में 45 से 50 हजार रुपया एक एकड़

में खर्च आ रहा है ' श्री गुप्ता ने बताया कि इस समय गन्ने के साथ प्याज की रोपाई करे, पिण्डी, मूंग, लोबिया की सहफसली खेती करें। प्रशिक्षण के बाद किसान के खेत पर मिलिए कार्यक्रम में श्री गुप्ता ने दक्षिण भारत की प्रशिक्षण यात्रा से लौटे किसान श्री मल्ल के खेत पर जाकर गन्ना आलू देखा उससे



वातचीत किया ' किसान सिंह ने बताया कि गन्ना प्रजाति को. 0118 दो एकड़ में 30 अक्टूबर को गन्ना टेन्च विधि से बोया ' उसमें आलू की प्रजाति कुफरी चन्द्रमुखी आलू 3 नवंबर को बोया हूँ। झुलसा रोग से बचाने के लिए दो बार फफूंदीनाशक, का छिड़काव किया हूँ ' आलू का बीज कन्द एक एकड़ में लगभग

6.5 से 7 कुन्तल लगा है ' लगभग एक लाख से अधिक का होगा ' आशीष मल्ल ने गन्ने में सरसों दिखाया ' बताया कि 6 से 7 कुन्तल एकड़ होगा। कृषि विशेषज्ञ विपिन कुमार तिवारी ने बताया कि पिछिका की निरंतरण के लिए बुवाई के समय डिफिकोरेल मात्रा 7.5 किग्रा एक एकड़ में प्रयोग करें।

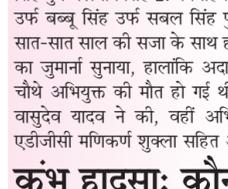
## हत्या की कोशिश के तीन गुनाहगारों को सात- सात साल की सख्त सजा, 13500 रुपये का जुमाना

संवाददाता

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के सुमेरपुर में 30 मई 2010 को अभियुक्तों ने पीड़ित के साथ गाली गलौज कर जान से मारने के इरादे से तमंचे से फायर कर दिया। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ विदोखर मेंदनी निवासी मनमोहन सिंह पुत्र मलखान, जबकि पत्न्या निवासी लल्ला सिंह उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र बलवान सिंह, रेलवे क्रॉसिंग निवासी बब्बू सिंह उर्फ बब्बू सिंह उर्फ सबल सिंह पुत्र शिवसिंह सहित डब्बू सिंह उर्फ जगमोहन सिंह पुत्र मलखान सिंह निवासी विदोखर मेंदनी थाना सुमेरपुर हमीरपुर(मृतक) के खिलाफ सुमेरपुर थाने में अंसं० 1142/2010 धारा 307/34,504,506 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि आपरेशन कन्विकशन के तहत 28 जनवरी 2025 को हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त(एचएस नं० 379ए) 1. लल्ला सिंह उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र बलवान सिंह 2. मनमोहन सिंह पुत्र मलखान सिंह 3. बब्बू सिंह उर्फ बब्बू सिंह उर्फ सबल सिंह पुत्र शिवसिंह को गुनाहगार मानते हुये सात-सात साल की सजा के साथ ही प्रत्येक को चार हजार पांच सौ रुपए का जुमाना सुनाया, हालांकि अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान चौथे अभियुक्त की मौत हो गई थी, जबकि मामले की जांच एस आई वासुदेव यादव ने की, वहीं अभियोजन की तरफ से जोरदार पैरवी एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ला सहित अशोक शुक्ला ने की।

एडीजीसी: मणिकर्ण शुक्ल

## कुंभ हादसा: कौन जिम्मेदार, प्रशासन या खुद श्रद्धालु या सरकार



**संवाददाता**  
स्वयंसेवी संस्था सफलता एक संकल्प की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रसिद्ध समाज सेविका रश्मि तिवारी ने कुंभ हादसे पर अपनी संवेदनपूर्ण प्रकट करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है जिसमें श्रद्धालुओं ने अपने परिवार जनों को खो दिया और कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल है इस हादसे का दोषी कौन है क्या प्रशासन या खुद श्रद्धालु यह एक विचारणीय

विषय है प्रशासन की तरफ से जिसमें राज्य और केंद्र सरकार भी शामिल है महा कुंभ का प्रचार अपनी उपलब्धि के रूप में किया गया तथा इसका प्रचार प्रसार इस तरह से किया के लोग इस महाकुंभ पर्व में शामिल होने भारी संख्या में चले आए प्रशासन की तरफ से व्यापक तैयारी का हिंदोरा पीटा गया ऐसा नहीं है कि प्रशासन ने तैयारी नहीं की थी प्रशासन ने अपनी तरफ से ज्यादा से ज्यादा तैयारी कर कर इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी परंतु अपेक्षा के अनुरूप या यह कहे की अपेक्षा से ज्यादा श्रद्धालु धर्म लाभ उठाने के लिए संगम की तरफ देश के विभिन्न इलाकों से पहुंचना शुरू हो गए लोगों को यह लगने लगा कि शायद उनके पाप इस माह कुंभ में नहा कर समाप्त हो जाएंगे और उनका जीवन सफल हो जाएगा।

जबकि उन्होंने यह नहीं सोचा कि अगर सद कर्म करोगे तो गंगा स्नान की जरूरत ही नहीं। लेकिन यह मामला सनातन की आस्था से जुड़ा हुआ है इसलिए इसमें कुछ भी कहना उचित नहीं है परंतु इस हाथ से की जवाबदेही तय होनी चाहिए और जो भी जिम्मेदार हो इस हादसे का उसपर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए रश्मि तिवारी ने प्रशासन से अपील की है कि मृतकों के पार्थिक शरीर जल्द से जल्द परिवार जनों को सौंपकर उसके मूल स्थान तक पहुंचने की व्यवस्था करें तथा गंभीर रूप से घायल और घायलों की चिकित्सा के लिए व्यापक प्रबंध करें और गैरों के परिवार जनों के रहने की भी समुचित व्यवस्था की जाए। और एक मुआवजे राशि का तुरंत से तुरंत प्रबंध कराकर परिवारों की आर्थिक मदद की जाए। और अपने वाले महा स्नान को देखते हुए व्यापक सुरक्षा प्रबंध भी किए जाएं के इस प्रकार की घटना दोबारा हो ना सके। रश्मि तिवारी ने सभी सनातनियों से प्रार्थना की है कि वह अपने निकट की गंगा मैया के तट पर जाकर ही आने वाले पर्वों में स्नान करें तथा भीड़ बाढ़ से बचने का प्रयास करें।



## संपादकीय

## 2025-26 के बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है। केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर उंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं एन फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।



नवीर यादव  
कार्यकारी संपादक

## सेमिनार के माध्यम से छात्राओं को दी गई सुरक्षित व सुगम यातायात नियमों की जानकारी

### रामम विद्यालय उन्हाणी में बुधवार को आयोजित समारोह में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए

समाचार गेट/सुनील दीक्षित कनीना। राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी में बुधवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को सुरक्षित वाहन परिचालन सहित यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

जनशक्ति विकास संगठन की ओर से आयोजित इस सेमिनार में वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगजनों के लिए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रम यादव ने कहा कि संगठन के तत्वाधान में एलिम्फो और रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से क्षेत्र के 90 चिन्हित पात्र व्यक्तियों को इलेक्ट्रिक साइकिल, व्हीलचेयर, कमर की



बेल्ट ग्रीवा कॉलर, घुटने के दर्द के गोडियो, कान की मशीन, चलने के बैट का भी वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि सड़क मार्गों पर यातायात बढ़ता जा रहा है। सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

संगठन के प्रधान दीपक वशिष्ठ ने कहा कि उनकी ओर से सामाजिक

कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पात्र दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक इस सेमिनार में पहुंचने से वंचित रह गया है तो वह निकट भविष्य में आयोजित होने वाले शिबिर में हाजिर होकर पंजकरण करवा सकता है। प्रधानमंत्री दिव्यांश केंद्र संस्था के प्रमुख आर्डीवोलॉजिस्ट विक्रम ने कहा कि

भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण प्रदान कर उनकी गरिमा को बढ़ाकर पुनरुत्थान यापन करने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर अमित कुमार, सुधीर यादव, कैलाश चंद, सुरेश कुमार वशिष्ठ, संदीप कुमार, श्री भगवान, मनजीत, राजेश उपस्थित थे।

## आईआईटीएम प्रतिनिधि ने एसडी विद्यालय में आयोजित किया कैरियर काउंसलिंग सत्र

विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर डाउट दूर किए



समाचार गेट/सुनील दीक्षित कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में बुधवार को कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें आईआईटीएम, इंडियन इंस्टीट्यूट

ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट, केंद्र सरकार के प्रतिनिधि बाबूलात यादव ने विद्यार्थियों को विषयवार जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर अपने डाउट भी दूर किए।

विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव व उप प्राचार्य पूर्ण सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग कैंप आयोजित करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उनकी ओर से छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन

देने के लिए नियमित रूप से ऐसे सत्र आयोजित करते हैं। जगदेव यादव ने कहा कि कैरियर काउंसलिंग विद्यार्थियों के लिए "ओपिथि" है, जो उनके जीवन में टोनिक का कार्य करती है। इससे छात्रों को अपनी क्षमताओं और रुचि के आधार पर सही कैरियर चुनने में मदद मिलती है, जिससे उनके कैरियर में सफलता प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस प्रकार, यह सेमिनार छात्रों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शन सत्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सौनियर विंग में उनकी शैक्षिक यात्रा महत्वपूर्ण चरण में है। इस मौके पर देव व्रत, विनय कुमार, सुरेंद्र कुमार, यशपाल, सुमित अरोडा सहित अन्य वरिष्ठ फेकल्टी सदस्य भी सेमिनार में उपस्थित थे।

## प्रदेश के सभी जिलों से पत्रकारों को महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज भेजे सरकार: केबी पंडित

सरकार की योजना का पत्रकारों को भी मिले लाभ

समाचार गेट/सुनील दीक्षित कनीना। हरियाणा पत्रकार संघ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ के पत्रकारों को सरकार द्वारा महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज भेजने का स्वागत किया है साथ ही हरियाणा के सभी जिलों से पत्रकारों को महाकुंभ में भेजने के लिए व्यवस्था करने की मांग की है।

संघ के अध्यक्ष केबी पण्डित ने प्रेस के नाम जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से इसकी शुरुआत चंडीगढ़ के पत्रकारों को महाकुंभ भेजकर की है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हरियाणा के सभी जिलों में कार्यरत श्रमजीवी पत्रकारों को भी महाकुंभ भेजने की व्यवस्था करे।

चंडीगढ़ के अलावा सभी जिलों में दैनिक समाचारपत्रों के जिलावार संस्करण प्रकाशित होते हैं और सांध्य दैनिकों का प्रकाशन भी लगभग प्रत्येक जिले में हो रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़, दिल्ली और जालंधर से प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचारपत्रों से जुड़े हरियाणा संस्करण के पत्रकारों तथा डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों को भी महाकुंभ प्रयागराज में स्नान के लिए भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में शीघ्र ही पत्रकारों का प्रतिनिधिमण्डल मुख्यमंत्री से मिलेगा।

श्री पंडित ने कहा कि जिले के पत्रकारों को सरकार दीयम दर्जे का ना समझे। उन्होंने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा बीती 16 नवम्बर को प्रेस दिवस के अवसर पर की गई घोषणा के बाद भी पत्रकारों को पांच लाख रुपए का चिकित्सा बीमा संरक्षण देने वाली कैशलेस योजना अभी तक लागू नहीं हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा आगामी 4 फरवरी को चंडीगढ़ में होने वाली मंत्रिमण्डल की बैठक में कैशलेस योजना को अमली जामा पहनाना चाहिए।

## हरीनगर विधान सभा से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेताओं ने किया चुनावी प्रचार

### भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं ने किया चुनावी संपर्क

### दिल्ली में स्पष्ट बहुमत से बनेगी की भाजपा की सरकार: चौधरी जाकिर हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। बुधवार को दिल्ली चुनाव के अंतर्गत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन पूर्व विधायक के नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. असलम राष्ट्रीय प्रभारी, सूफी संवाद, कार्यक्रम आयोजक डॉ. फहीम सैफी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रभारी जम्मू-कश्मीर, कमरूद्दीन जुगुनू सदस्य रेलवे मंत्रालय, चौथ असागर प्रधान बड़ी मस्जिद, अकबर, आस मौहम्मद,



मजीद अहमद, राकेश तुली आदि ने हरीनगर विधान सभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी श्याम शर्मा के समर्थन में तिहाड़ गौ व कई जगह कार्यकर्ता बैठक कर तथा कई जगह डोर-टू-डोर चुनावी प्रचार कर वोट की अपील की। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी श्याम शर्मा भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर सैंकड़ों प्रमुख लोगों ने आम आदमी पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थामा।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन भी किया। चुनावी प्रचार के दौरान मुख्य बिंदु पार्टी के दृष्टिकोण और नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प, श्याम शर्मा

के नेतृत्व में हरीनगर विधान सभा के विकास का रोडमैप, भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एकजुट होकर आगामी चुनाव में ऐतिहासिक जीत का आह्वान किया गया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन ने कहा कि आप लोगों का सहयोग हमारी ताकत है के संदेश को लेकर हमें कार्य करना है। आइए, हम सब मिलकर हरीनगर में भाजपा की मजबूत बनाएं और क्षेत्र के विकास के सपने को साकार करें। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक से ज्यादा समय में आप-दा सरकार ने दिल्ली को खोखला कर दिया है। दिल्ली की भोली भाली जनता को लूटने का काम किया है। दिल्ली के लोगों को

आप-दा सरकार ने गंदगी के अलावा कुछ भी नहीं दिया है। अब समय आ गया है इस आप-दा को दिल्ली से बाहर का रास्ता दिखाने का। जाकिर हुसैन ने कहा कि दिल्ली के संपूर्ण विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाने में अपना सहयोग देने का काम करें।

डॉ. असलम खान व फहीम सैफी ने कहा कि दिल्ली पिछले 10 वर्षों में आम आदमी पार्टी की सरकार में विकास के मामले में पिछड़ गई है। केजरीवाल व उनकी पार्टी के नेताओं ने दिल्ली को पूरी तरह से लूटकर खोखला कर दिया है। दिल्ली के संपूर्ण विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दें।

## नैशनल हाइवे 152डी के रेस्ट एरिया में खड़े वाहनों से तेल चोरी की बढ़ रही घटनाएं

समाचार गेट/सुनील दीक्षित कनीना। नैशनल हाइवे 152डी के खेडी तलवाना स्थित रेस्ट एरिया से गाड़ी से तेल चोरी की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले दिनों जहां रात के समय खड़े दो वाहनों की डीजल टंकी का ताला तोड़कर तेल चोरी किया गया था वहीं सोमवार रात्री के समय पुनः ऐसी घटना घटित हुई है। जिसमें रात 12 से 3 बजे के बीच वहां खड़े एक ट्रक की टंकी का ताला तोड़कर तेल चोरी किया गया है। दोनों ही घटनाओं में कनीना सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है लेकिन अभी तक चोरों का सुराग नहीं लग सका है। वाहन चालकों के लिए सिरदर्द बने चोरों की तलाश की जा रही है। बहरहाल वाहन चालक तेल चोरी की घटनाओं को लेकर चिंतित हैं।

इस बारे में मुस्ताक खान वासी खुन्नुना, तहसील डीडवाना राजस्थान ने कनीना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक ट्रांसपोर्ट कम्पनी में बतौर गाड़ी चालक काम करता है। 127 जनवरी को वह रोहतक से वाहन की 380 लीटर की टंकी तेल से फुल करवाकर वह गुजरात, मुंद्रा जा रहा था। रात करीब 11 बजे वह खेडी तलवाना रेस्ट पंचुछा जहां गाड़ी खड़ी कर अंदर जाकर सो गया। सुबह 3 बजे उठा तो तेल टंकी का ढक्कन खुला हुआ मिला। जिससे तेल गायब था। एरिया में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो रात के समय एक ट्रक से कुछ व्यक्ति उतर कर वाहन की टंकी का ढक्कन तोड़कर तेल चोरी करते दिखाई दिए। जिसकी पहचान नहीं हो सकी है। कनीना सदर थाना अध्यक्ष निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि गाड़ी चालक की शिकायत पर तेल चोरी का केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चोरों की तलाश की जा रही है। आरोपियों को जल्द ही काबू कर ला जाएगा।

## पलवल मोबलिविग मामले पर डीजीपी से मिले आफताब अहमद

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विधायक चौधरी आफताब अहमद ने पंचकूला पुलिस मुख्यालय पर हरियाणा डीजीपी से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि हरियाणा के पलवल जिले में 28 साल के एक मुसलिम शख्स यूसुफ को पीट-पीट कर मार डाला गया और उसका

एक साथी रवि हरियाणा के पलवल में एक गाय और एक बछड़े के साथ जा रहे थे, तभी भीड़ ने उन दोनों पर हमला कर दिया। भीड़ ने दोनों को बुरी तरह से पीटा, इसके बाद उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। नूह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने पलवल में मोब लीविंग की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण कहते हुए कहा कि एक युवक को जान चली गई, भीड़ ने पीट पीट कर एक को घायल कर दिया। प्रदेश में कानून व्यवस्था शून्य है, कहीं गुंडे रंगदारी के लिए लोगों को मार रहे हैं तो कहीं असमाजिक तत्व गौ रक्षा की आड में लोगों की जान ले रहे हैं जबकि प्रदेश सरकार सो रही है। विधायक आफताब अहमद ने डीजीपी हरियाणा से मुलाकात कर मांग की है कि दोषियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। विधायक ने कहा कि अभी तक एक भी आरोपी को नहीं पकड़ा जाना पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल है। बीजेपी सरकार में मोब लीविंग की घटनाएं बढ़ रही हैं, बीजेपी इन पर अंकुश लगाने पर विफल रही है। कोई भी उपयुक्त कदम कानून अनुसार सरकार ने इस संबंध में नहीं उठाया है। जिस कारण अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में असुरक्षा की भावना आई है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि गौ रक्षा के नाम पर कुछ लोग गुंडागर्दी करते हैं जो खुद प्रधानमंत्री भी सार्वजनिक मंच से कह चुके हैं। न्याय देने का काम कानून का होता है, किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, डीजीपी ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

## अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : उपायुक्त विश्राम मीणा



समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि किसी को भी जिला में अवैध खनन करने की इजाजत नहीं दी जाएगी और अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त बुधवार को लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में जिला में अवैध माइनिंग को लेकर समीक्षात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि जिला में अवैध माइनिंग करने वाले लोगों पर 25 दिसंबर 2024 से 17 जनवरी 2025 तक कुल एक लाख 60 हजार 611 रूपए का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि जिला में इस दौरान अवैध माइनिंग करते हुए 8 वाहन सीज किए गए हैं और अवैध माइनिंग की पांच प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि जिला में ओवरलोडिंग गाड़ियों पर लगाय लगाने के लिए अधिकारियों को कहा गया है कि सभी अधिकारों ई - रवाना रसीद की कॉपी जरूर रखें, ताकि जब भी कोई ओवरलोडिंग की गाड़ी पकड़ी जाए तो उसके लोड से मिलान हो सके और अतिरिक्त लोड होने पर उस पर कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त उपाय प्रदीप सिंह मलिक, एसडीएम नूह प्रदीप अहलावत, एसडीएम फिरोजपुर झिरका डॉ. चिनार चहल, एसडीएम तावड़ संजीव कुमार, डीएसपी अजायब सिंह व जिला माइनिंग अधिकारी सहित जिला के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## स्कूलों की लगातार बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान की मॉनिटरिंग की जाए : अजीत सिंह

समाचार गेट/अनिल मोहनिया नूह। जिला सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह द्वारा जिला प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जिला एफ एल एन कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक, सभी खंडों के खंड शिक्षा अधिकारियों, सभी सीआरसी हेड, निपुण के ब्लॉक नोडल अधिकारियों डाइट सीनियर लेक्चरर विजय लक्ष्मी ने भाग लिया जिला एफ एल एन कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक के द्वारा शिक्षा दीक्षा पर्यवेक्षण में राज्य द्वारा दिए गए डाटा का विश्लेषण किया गया और सभी



सीआरसी हेड्स को उस डाटा के मुख्य बिंदुओं को शेयर किया गया और उसके अनुसार योजना बनाकर कार्य करें ताकि प्रत्येक बच्चा निपुण बन सके। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने सभी क्लस्टर मुखिया को निर्देश दिए की वह अपनी क्लस्टर प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट की मीटिंग हर महीने निश्चित समयपर करें और सभी खंड शिक्षा अधिकारी ब्लॉक प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन यूनिट की मीटिंग भी समय से करें और इसके साथ-साथ ही स्कूलों में जाकर रूटीन से बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान की मॉनिटरिंग करें और

अध्यापकों को प्रेरित करें कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित लक्ष्यों को धरातल पर पूरे मन से लागू करें। जब तक अध्यापक अपने माइंडसेट में बदलाव नहीं करेंगे तब तक यह संभव नहीं होगा इसलिए उन्होंने सभी अध्यापकों का भी आह्वान किया कि वह पूरे मन से बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को धरातल पर लागू करें ताकि नूह का प्रत्येक बच्चा निपुण बन सके। उन्होंने कहा कि सी आर सी स्कूलों का रूटीन में निरीक्षण करेंगे ताकि अध्यापक बच्चों पर ज्यादा से ज्यादा समय देकर गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान कर सकें।

**राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक**

# समाचार गेट

को TITLE CODE : HARHIN11569

## आवश्यकता है

- हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
- उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
- ग्रामीण संवाददाता
- फोटोग्राफर
- विज्ञापन प्रतिनिधि

इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-

samachargate@gmail.com

Cont.: 9212339503

## संक्षिप्त समाचार

कांगो के गोमा शहर पर विद्रोहियों के कब्जे का दावा-सरकार बोली- दाखिल तो हुए, लेकिन कब्जे की बात गलत



गोमा, एजेंसी। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा पर विद्रोही संगठन एम23 के लड़ाकों ने सोमवार को कब्जा करने का दावा किया। यहां सेना और विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी थी। इन विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन हासिल है। लड़ाई के बाद हजारों लोग शहर छोड़कर भाग निकले। लगभग 20 लाख की आबादी वाले गोमा शहर में विद्रोहियों के घुसने और गोलीबारी से अफरातफरी का माहौल था। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक कई लोग सड़कों पर खड़े होकर विद्रोहियों का स्वागत भी कर रहे थे। दूसरी तरफ हजारों लोग अपने बच्चों और अन्य सामान के साथ रवांडा की सीमा में चले गए हैं। कांगो सरकार ने शहर में विद्रोहियों को घुसने की बात कबूली है, लेकिन शहर पर कब्जे की बात से इनकार किया है। विद्रोही गुट एम23 कांगो में सक्रिय 100 से ज्यादा विद्रोही गुटों में से एक है। इन विद्रोहियों ने 2012 में भी गोमा पर अत्याचारी तौर पर कब्जा कर लिया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण में बाद में पीछे भी हट गए थे। हालांकि 2021 के अंत से इस गुट में यहां एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। कांगो सरकार और यूएन ने रवांडा पर विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। हालांकि रवांडा ने इन आरोपों को खारिज किया है। रवांडा के विदेश मंत्रालय ने कांगो पर एम23 के साथ बातचीत करने में विफल रहने का आरोप लगाया। मंत्रालय ने कहा कि- इस विफलता ने लड़ाई को लंबा खींच दिया है, जो रवांडा की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के लिए गंभीर खतरा है। विद्रोहियों ने शनिवार को कांगो सेना से 48 घंटे में हथियार डालने के लिए कहा था। इसके बाद सोमवार को विद्रोहियों ने सोमवार को कब्जे का दावा किया। लड़ाकों ने कांगो के सैनिकों से शहर के स्ट्रेडियम में इकट्ठा होने के लिए कहा है।

**अल-कादिर ट्रस्ट मामला : इमरान खान और बुशरा बीबी ने दोषसिद्धि को चुनौती दी**  
इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने अल कादिर ट्रस्ट मामले में दोषसिद्धि को सौभाग्य को हाई कोर्ट में चुनौती दी। इमरान खान इन



समय जेल में बंद हैं। बता दें कि इस्लामाबाद की एक अदालत ने इस महीने के शुरू में अपने फैसले के तहत 19 करोड़ ब्रिटिश पाउंड के चर्चित मामले में इमरान खान और उनकी पत्नी को दोषी पाया था। कोर्ट ने इमरान को 14 साल व बुशरा बीबी को सात साल जेल की सजा सुनाई थी। वहीं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने द्वाइसपैप पर जारी एक संदेश में कहा है कि उनके अधिवक्ताओं ने दोषसिद्धि और सजा के विरुद्ध इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अपील दायर की है। साथ ही पीटीआई पार्टी ने कहा है कि इमरान खान और बुशरा बीबी का प्रतिनिधित्व करने वाली कानूनी टीम ने अल-कादिर ट्रस्ट मामले के फैसले को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने अधूरी जांच के आधार पर सजा सुनाकर अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। एनएबी ने दिसंबर 2023 में इमरान खान, बुशरा बीबी के अलावा छह अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसमें उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब रुपये की क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया गया था।

**फ्रांस के पीएम बोले- लोकतंत्र के लिए खतरा है मस्क**

मार्को, एजेंसी। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रैंकोइस बाल्यूर ने कहा कि एलन मस्क लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। पैसे को विवेक पर शासन करने का अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। इससे पहले फ्रांस के पीएम ने कहा था कि फ्रांस और पूरे यूरोप को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी नीतियों के खिलाफ खड़ा होना होगा, अन्यथा प्रभुत्व कुचले जाने या हाथिए पर डाल दिए जाने का जोखिम उठाना होगा। ब्रिटेन के व्यापार राज्यमंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि वह अगले महीने भारत की यात्रा करेंगे। उनकी यात्रा का मुख्य मकसद मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को तेवर चल रही बातचीत को अंतिम रूप देना है। रेनॉल्ड्स सोमवार को यहां हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के बारे में बताया जो सितंबर 2024 तक 41 अरब पाउंड थी। हालांकि, उन्होंने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में ब्रिटेन के बीच व्यापार में सुधार करने की ब्रिटिश सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्टि की।

**यूएस कैपिटल हिल हमले के आरोपी की मौत**

वाशिंगटन, एजेंसी। छह जनवरी 2021 को हुए यूएस कैपिटल हिल हमले के आरोपी मैथ्यू हटल की पुलिस अधिकारी से झड़प के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हटल ने उत्तर-पश्चिम इंडियाना में यातायात रोका। इस दौरान पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने विरोध किया। इस दौरान अधिकारी और संदिग्ध के बीच झगड़ा हुआ।

# 15 महीने बाद उत्तरी गाजा में लौट रहे फिलिस्तीनी, इजराइल ने दी इजाजत

तेल अवीव/रामल्ला, एजेंसी। इजराइल ने 15 महीने बाद हजारों फिलिस्तीनियों को गाजा के उत्तरी इलाके में लौटने की अनुमति दे दी है। इसके बाद से हजारों लोग अपने घरों की तरफ लौटने लगे हैं। सीजफायर डील के तहत यह तय हुआ था कि इजराइल, 25 जनवरी से उत्तरी गाजा में फिलिस्तीनी लोगों को लौटने की अनुमति देगा। हालांकि इजराइल-हमास के बीच विवाद की वजह से इसमें 2 दिन की देरी हुई। दरअसल इजराइल का आरोप था कि हमास ने आखिरी वक्त पर एक बंधक को नहीं रिहा किया। हजारों की तादाद में फिलिस्तीनी कई दिनों से सीमा पार करने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही इजराइल की सहमति मिली हजारों लोग नेतजारिक कारिडोर से गाजा के उत्तरी हिस्से की तरफ बढ़ने लगे। इजराइल ने हमास जंग शुरू होने के बाद गाजा के उत्तरी हिस्से को खाली करा दिया था। इसके बाद 10 लाख से ज्यादा लोग उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा की तरफ पलायन कर गए थे। इसके बाद इजराइली सेना ने वहां पर हमला किया और उस इलाके को सील कर दिया था। हमास बोला- लोगों का घर लौटना इजराइल की हार हमास ने गाजा के विस्थापितों की घरवापसी को अपनी जीत बताया है। हमास ने कहा कि गाजा पर इजराइली कब्जे का प्लान फेल हो चुका है। लोगों का अपने घर लौटना इजराइल की हार का संकेत है। इजराइल ने सोमवार सुबह 9



बजे नेतजारिक कारिडोर को खोल दिया। बीबीसी के मुताबिक नेतजारिक कारिडोर के खुलने के 2 घंटे के भीतर दो लाख विस्थापित फिलिस्तीनी पैदल गाजा की सीमा में घुसने में कामयाब हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2 घंटे के बाद गाड़ियों के लिए सीमा खोली गई। इजराइल बोला- हमास की केद में 8 बंधक मारे गए इजराइल ने कहा कि हमास की ओर से जारी की गई सूची में 33 में 8 बंधक पहले ही मारे जा चुके हैं। सरकार के प्रवक्ता डेविड मंसार ने इसकी पुष्टि की है। इसका मतलब है कि अब आने वाले समय में हमास सिर्फ 18 बंधकों को ही रिहा करेगा। इजराइल सीरफायर के पहले चरण में अब तक 7 बंधकों को रिहा कर चुका है। हमास इस हफ्ते 6 और इजराइली बंधकों को रिहा करेगा सीजफायर समझौते के तहत इस हफ्ते हमास, इजराइल के 6 नागरिकों को रिहा करेगा। इन्हें 3-3 के दो बैच में गुरवार और शनिवार को रिहा किया जाएगा। इसके बदले

में इजराइल आज यानी सोमवार, 27 जनवरी से नॉर्थ गाजा में फिलिस्तीनी नागरिकों को वापस लौटने की अनुमति देगा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी जानकारी दी। रिहा होने वाले बंधकों में दो महिलाएं अब्देल येहुद और अमर बर्गर शामिल हैं। इन्हें हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को बंधक बना लिया था। इजराइल ने पिछले हफ्ते शनिवार को रिहा हुई 4 महिला बंधकों के साथ अब्देल येहुद को रिहा करने की मांग की थी। हालांकि हमास ने अब्देल की शनिवार को रिहाई नहीं की। इसे इजराइल ने सीजफायर का उल्लंघन बताया था।

**इजराइल के 7 बंधक और 300 से ज्यादा फिलिस्तीनी रिहा** : सीजफायर समझौते के तहत अब तक हमास ने इजराइल के 7 बंधकों को रिहा किया है। ये सभी महिलाएं हैं। इनके बदले में इजराइल ने 300 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। हमास ने रविवार को बचे हुए

बंधकों की लिस्ट इजराइल को सौंप दी है। इजराइल हमास के बीच 19 जनवरी से सीजफायर शुरू हुआ है। सीजफायर का पहला फेज 42 दिन का है, इस दौरान इजराइल के सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा। शनिवार तक इजराइल को ये लिस्ट नहीं मिली थी। इसे इजराइल ने सीजफायर का उल्लंघन बताया था। इसके चलते नॉर्थ गाजा में फिलिस्तीनियों की वापसी में देरी हो रही थी। इजराइल करीब 700 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा सीजफायर डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल के न्याय मंत्रालय ने भी 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें पहले फेज में रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं।

## संदिग्ध आतंकवादियों ने 22 नाइजीरियाई सैनिकों की हत्या की : सेना



अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नो के एक दूरदराज के कस्बे में संदिग्ध आतंकवादियों ने कम से कम 22 नाइजीरियाई सैनिकों की हत्या कर दी। वहीं, कई अन्य सैनिक घायल हैं। सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बुबा ने सोमवार को अबुजा में समाचार एजेंसी सिन्हूआ से एक बयान में बताया कि हमला कहां और कब हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला करने की योजना बनाई थी। सैनिकों पर हाल ही में हुए हमले से पहले बोर्नो में सैन्य ठिकानों पर कई आतंकवादी हमले विफल हो गए थे, जिनमें से कुछ हमलों में सेना ने आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोनो को मार गिराया था। उन्होंने कहा कि सेना ने इससे पहले कम से कम 70 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया था, जिनमें एक ब्रिगेड कमांडर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक सशस्त्र समूह के विशेष बल कमांडर भी शामिल थे। समाचार एजेंसी सिन्हूआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को स्थानीय मीडिया ने बताया था कि बोर्नो में सेना के बेस पर हुए हमले में मारे गए लोगों में एक अन्य उच्च पदस्थ कमांडर भी शामिल था। नाइजीरिया के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में सशस्त्र हमले एक प्रमुख सुरक्षा खतरा रहे हैं, जिसके कारण हाल के महीनों में मौतें और अपहरण की घटनाएं हुई हैं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने सोमवार को कहा कि संघर्ष के कारण अफ्रीका अपनी क्षमता खो रहा है, जिससे महाद्वीप को प्रतिक्रिया अनुमानतः 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होगा, वह है।

## सूडान : सेना के कब्जे के तीन दिन बाद भी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी में आग जारी

**खातूम, एजेंसी।** सूडानी सशस्त्र बलों (एसएफए) द्वारा महत्वपूर्ण परिसर पर नियंत्रण हासिल करने के तीन दिन बाद भी खातूम अंत्यल रिफाइनरी अभी भी आग और धुएं से घिरी हुई है। समाचार एजेंसी सिन्हूआ की रिपोर्ट के अनुसार, रिफाइनरी के कार्यवाहक निदेशक हुशाम मोहम्मद बाबिकिर ने कहा कि एसएफए के रिफाइनरी पर नियंत्रण वापस लेने से पहले कच्चे तेल के स्टोरेज टैंकों में आग लगा दी गई थी। बाबिकिर ने मीडिया टीम के रूप में रिफाइनरी का दौरा करने वाले सिन्हूआ संवाददाता को बताया कि आग अभी भी परिसर में फैल रही है, जिसके कारण कुछ टैंकों में विस्फोट हो गया और कच्चे तेल का रिसाव होने लगा। कार्यवाहक निदेशक ने कहा, हम जल्द से जल्द नुकसान की मरम्मत करने के लिए दृढ़ हैं और हमें ऐसा करने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है। खातूम के उत्तर में स्थित रिफाइनरी ने मई 2000 में उत्पादन शुरू किया था। सूडान के तेल मंत्रालय के पिछले आंकड़ों से पता चला है कि इसकी उत्पादन क्षमता लगभग 1,00,000 बैरल प्रतिदिन है, जो देश की लगभग 45 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करती है।

## सरकारी आयोग की रिपोर्ट में दावा- जिस पावरलाइन से आग लगने की बात कही, वह घटनास्थल से मीलों दूर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में इटन इलाके में लगी आग को लेकर अब तक दावा किया जा रहा था कि बिजली के तारों में खराबी की वजह से फॉल्ट हुआ जिसके कारण जंगल में आग लगी। हालांकि अब एक सरकारी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि जिस पावर लाइन से आग लगने की बात कही जा रही है, वह आग लगने वाली जगह से मीलों दूर है। 7 जनवरी को लगी आग से लॉस एंजेलिस शहर का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। इस आग में 28 लोगों की मौत हुई। बिजली के तारों में खराबी की वजह से आग लगने के दावे को नकारा दरअसल आग के चलते अपनी संपत्ति खोने वाले एक

व्यक्ति ने अदालत में केस दायर किया है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन ने एक रिपोर्ट दायर की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आग पावर लाइन में खराबी की वजह से लगी और जिस पावर लाइन के तारों में फॉल्ट की वजह से आग लगने का दावा किया जा रहा है, वह लाइन आग लगने की जगह से मीलों दूर है। कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन एक सरकारी विनायक एजेंसी है, जो कैलिफोर्निया में बिजली, पानी आदि की सेवाएं देने वाली निजी कंपनियों की निगरानी करती है।



सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि यूटिलिटी के उपकरणों के कारण आग लगी। उन्होंने आग के शुरूआती मिन्टों के दौरान जिसमें बिजली के टावरों के नीचे आग की बड़ी लपटें दिखाई दे रही हैं। उनका कहना है कि वीडियो एक गैस स्टेशन के बाहर लगे कैमरे से लिया गया है। इटन इलाके में लगी आग तुफानी हवाओं की वजह से भड़की और उसने लॉस एंजेलिस के बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन दल हफ्तों से आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि फिलहाल इटन इलाके में लगी आग पर अब कानू पा लिया गया है और जल्द ही इसके बुझने की उम्मीद है।

## यूएस राष्ट्रपति ने जस्टिस डिपार्टमेंट से दर्जनों अफसर निकाले, ट्रम्प के खिलाफ जांच में शामिल थे

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग से एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों को छुट्टी कर दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ये अधिकारी ट्रम्प के खिलाफ 2020 में चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिश के आरोपों की जांच में शामिल थे। इन अधिकारियों ने पूर्व स्पेशल कारिसिल जैक स्मिथ के साथ मिलकर ट्रम्प के खिलाफ कार्यवाही की थी। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया कि कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल जेम्स मैकहेनरी ने ट्रम्प के खिलाफ जांच में शामिल होने की वजह से अधिकारियों को निकाला है। पूर्व स्पेशल कारिसिल जैक स्मिथ ने ट्रम्प के खिलाफ 2 जांच शुरू की थी। इन दोनों मामलों में ट्रम्प के खिलाफ के महाभियोग लाया गया। पहला मामला 2020 में राष्ट्रपति चुनावों को अवैध रूप से पलटने की कोशिश से जुड़ा था। दूसरा मामला 2021 में कैपिटल हिल हिंसा और ट्रम्प के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद अवैध रूप से कुछ दस्तावेजों को अपने साथ ले



जाने से जुड़ा था। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद उन लोगों को प्रशासन से बाहर करने का फैसला किया था, जिन्हें वे राजनीतिक शत्रु मानते थे। उन्होंने इस आदेश पर सहज भी कर दिए थे। हालांकि स्मिथ की टीम के किन अधिकारियों को निकाला गया है, ये अभी साफ नहीं है।

**कैपिटल हिल हिंसा के 2 आरोपों में क्षमादान नकारा** : अमेरिकी संसद कैपिटल हिल पर 6 जनवरी 2021 को

हमले के दो आरोपियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का क्षमादान स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। द गार्जियन के मुताबिक आरोपी जेसन रिडल और पामेला हेम्पिल का कहना है कि कैपिटल हिल पर जो भी किया गया था, वह माफ़ी के काबिल नहीं है। 71 साल की हेम्पिल ने कहा अगर वो क्षमादान स्वीकार कर लेंगी तो इससे यह मैसज जाएगा कि 6 जनवरी का हमला एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन था। हेम्पिल को 2022 में कैपिटल हिल में अवैध रूप से प्रदर्शन और धरना देने लिए दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद उन्हें 60 दिन की जेल और तीन साल पुलिस निगरानी में रहने की सजा मिली थी। वहीं, दूसरी तरफ जेसन रिडल जिन्हें 90 दिन की जेल और 750 डॉलर का जुर्माने की सजा सुनाई गई थी, उन्होंने भी क्षमादान स्वीकार करने से इनकार कर दिया। रिडल ने न्यू हेमशायर पब्लिक रीडियो से कहा- जब भी नौकरि देने वाली कोई कंपनी मेरा बैंकग्राउंड देखेगी तो उसे मेरे ऊपर लगे आरोप नजर आएंगे। राष्ट्रपति का क्षमादान स्वीकार करने से ये और ज्यादा हाईलाइट होंगे।

## टिकटॉक को खरीद सकती है माइक्रोसॉफ्ट, ट्रंप बोले- मैं चाहता हूँ कई और कंपनियां भी लगाएं बोली

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट, चाइनीज एप टिकटॉक के अमेरिकी व्यापार को खरीद सकती है। ट्रंप ने बताया कि दोनों पक्षों में फिलहाल बात हो रही है। ट्रंप ने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि अन्य कंपनियां भी टिकटॉक के लिए बोली लगाएं।

**ट्रंप ने कहा- कई अन्य कंपनियां भी टिकटॉक को खरीदना चाहती हैं** : ट्रंप ने कहा कई अन्य कंपनियां भी हैं, जो टिकटॉक को खरीदना चाहती हैं। वे चाहते हैं कि अमेरिका के पास टिकटॉक का 50 फीसदी मालिकाना हक रहे। इससे पहले ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि टेस्ला के सीईओ और ट्रंप के करीबी एलन मस्क और ओरेकल कॉर्प के चेयरमैन लैरी एलिसन टिकटॉक का अधिग्रहण करें क्योंकि वे नहीं चाहते कि टिकटॉक का पूरा मालिकाना हक चीन के पास रहे। इससे पहले शनिवार को भी ट्रंप ने कहा था कि कई लोगों ने मुझसे इस बारे में बात की है। सभी लोग टिकटॉक में रुचि रखते हैं और इस समझौते से अमेरिका को काफी फायदा होगा और मैं ये सिर्फ अमेरिका के फायदे के लिए ही कर रहा हूँ।

**परलेक्सिटी एआई ने भी दिया ऑफर** : अमेरिकी एआई कंपनी परलेक्सिटी ने भी टिकटॉक खरीदने में रुचि दिखाई है। कंपनी ने अमेरिकी टिकटॉक को 300 अरब डॉलर में खरीदने का ऑफर दिया है। समझौते के तहत टिकटॉक में 50 फीसदी



हिस्सेदारी अमेरिकी सरकार के पास रहेगी। हालांकि अमेरिकी सरकार को बोर्ड में जगह नहीं मिलेगी और न ही फैसलों पर वोटिंग का अधिकार होगा। बोर्ड में टिकटॉक की पैरेंटिंग कंपनी बाइटडॉस को जगह दी जा सकती है। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। इससे पहले अमेरिका ने सुरक्षा चिंताओं के चलते टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। इसे लेकर अमेरिकी सरकार एक कानून भी लेकर आई। कानून के तहत 19 जनवरी को टिकटॉक को अमेरिका में बंद कर दिया गया। हालांकि ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद संकेत दिए थे कि वे टिकटॉक को जारी रखने के पक्ष में हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश से टिकटॉक को 75 दिनों की मोहलत दी है, जिसके तहत टिकटॉक को अमेरिका में अपने बिजनेस को किसी अमेरिकी कंपनी को बेचना होगा।

## बांग्लादेश में मानवाधिकारों की हालत खराब, अबतक 140 से अधिक पत्रकारों के खिलाफ हत्या के मुकदमे दर्ज

**ढाका, एजेंसी।** ह्यूमन राइट्स वॉच की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में व्यवस्थागत सुधारों की तत्काल जरूरत है। संस्था ने मन्माने ढंग से की गई गिरफ्तारियां और प्रतिशोध की हिंसा के बाद अगस्त 2024 में बढ़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्तावादी शासन को हटाने के बाद की स्थितियों को देखते हुए यह बात कही है। ह्यूमन राइट्स वॉच की 50-पृष्ठ की रिपोर्ट जिसका शीर्षक है मानसून क्रांति के बाद: बांग्लादेश में सुरक्षा क्षेत्र में स्थायी सुधार का रोडमैप देश के राजनीतिक दमन के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करने के लिए सिफारिशों की रूपरेखा तैयार करता है। रिपोर्ट में न्यायपालिका, सिविल सेवा, पुलिस और सेना जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में शक्तियों के पृथक्करण और राजनीतिक तटस्थता पर केंद्रित

सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। जबकि अंतरिम सरकार ने संस्थागत जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है, ह्यूमन राइट्स वॉच ने चेतावनी दी है कि स्थायी लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित करने वाले त्वरित और संरचनात्मक सुधारों के बिना यह प्रगति खतरों में पड़ सकती है। ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया निदेशक एलेन पियर्सन ने कहा कि लगभग 1,000 बांग्लादेशियों ने लोकतंत्र के लिए लड़ते हुए अपनी जान गंवाई, जिससे बांग्लादेश में अधिकारों का सम्मान करने वाले भविष्य के निर्माण का एक ऐतिहासिक अवसर मिला। अगर अंतरिम सरकार त्वरित और संरचनात्मक सुधार नहीं करती है जो भविष्य की सरकारों द्वारा किसी भी दमन का सामना कर सके, तो यह कड़ी मेहनत से हासिल की गई प्रगति खो सकती है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार अंतरिम सरकार



के प्रमुख मुहम्मद युनुस ने प्रमुख सुधारों को लागू करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। अंतरिम सरकार ने न्यायतंत्र हत्याओं और जबरन गायब किए जाने जैसी प्रथाओं को समाप्त करने का भी

संकल्प लिया है। चुनाव प्रणाली, न्याय प्रणाली, लोक प्रशासन, पुलिस, भ्रष्टाचार विरोधी उपाय और स्थिधान सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधारों को संबोधित करने के लिए छह आयोग स्थापित

किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी में, युनुस से इन आयोगों की सिफारिशों को लागू करने की उम्मीद है। अंतरिम सरकार से आग्रह किया जा रहा है कि वह बांग्लादेश की मानवाधिकार स्थिति पर निरंतर निगरानी और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए संवैधानिक राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मार्च सत्र में एक प्रस्ताव पेश करे। ह्यूमन राइट्स वॉच ने दानदाता सरकारों से सुरक्षा क्षेत्र में सुधारों का समर्थन करने का आह्वान किया है, लेकिन सार्थक संरचनात्मक परिवर्तनों के बिना ऐसा करने के खिलाफ चेतावनी दी है। हालांकि, लोकतांत्रिक शासन में बदलाव बिना किसी बाधा के नहीं हुआ है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने सुरक्षा बलों द्वारा दुर्व्यवहार के पुनरुत्थान का दस्तावेजीकरण किया है, इस बार पूर्व अवामी लोग समर्थकों को निशाना बनाया गया है।

## ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कराता गडिकोटा

गडिकोटा, आंध्र प्रदेश के सबसे खूबसूरत और अद्भुत पर्यटन स्थलों में से एक है। इसे अक्सर दक्षिण का ग्रेड केन्यन कहा जाता है। यह स्थान अपनी शानदार चट्टानों, सुंदर घाटियों और ऐतिहासिक किलों के लिए प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं गडिकोटा के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

### 1. गडिकोटा किला

गडिकोटा का किला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसे 16वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह भव्यता और ऐतिहासिकता का प्रतीक है। किले की दीवारें, मीनारें और दरवाजे अद्भुत वास्तुकला का नमूना हैं। यहाँ से घाटी का दृश्य बेहद सुंदर है।

### 2. कावेरी नदी

गडिकोटा के निकट कावेरी नदी बहती है, जो यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को और बढ़ाती है। नदी के किनारे बैठकर लोग शांति और सुकून का अनुभव करते हैं। यहाँ की जलधारा और लहरें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

### 3. गडिकोटा घाटी

गडिकोटा घाटी अपने अद्भुत दृश्य और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की चट्टानें और घाटियाँ फोटोग्राफी के लिए एक बेहतरीन स्थान हैं। सूर्यास्त का दृश्य यहाँ से देखने लायक होता है।

### 4. रानी दुर्गा देवी का मंदिर

यह प्राचीन मंदिर गडिकोटा में स्थित है और देवी दुर्गा को समर्पित है। यहाँ पर आने वाले भक्तों की एक बड़ी संख्या होती है। मंदिर का वास्तुशिल्प और यहाँ का वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

### 5. जैन मंदिर

गडिकोटा में एक प्राचीन जैन मंदिर भी है, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। यहाँ की शिल्पकला और जैन मूर्तियाँ अद्वितीय हैं।

### यात्रा की जानकारी

गडिकोटा की यात्रा के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन जिद्दलूर है, जो लगभग 30 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से भी यहाँ पहुँचना आसान है। यह स्थान वर्ष भर में किसी भी समय यात्रा के लिए उपयुक्त है, लेकिन मानसून के बाद यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

देखा जाये तो गडिकोटा एक ऐसा स्थान है जहाँ आप ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की चट्टानें, घाटियाँ और किला एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या इतिहास के प्रति रुचि रखते हैं, तो गडिकोटा आपके लिए एक आदर्श गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अद्भुत यादें छोड़ जाएगी।



## ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक

# सौंदर्य का संगम है ओरछा

भारत के मध्यप्रदेश राज्य में स्थित ओरछा, एक ऐतिहासिक नगर है जो अपनी प्राचीन किलों, महलों, मंदिरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान भारतीय इतिहास और संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण पेश करता है। ओरछा न केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह एक शांतिपूर्ण पर्यटन स्थल भी है, जो प्रकृति प्रेमियों और इतिहास के शौकियों के लिए आदर्श स्थल है।

### ओरछा का इतिहास

ओरछा का इतिहास 16वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहाँ किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं। ओरछा, पहले बुंदेलों की राजधानी हुआ करता था और इसने कई ऐतिहासिक घटनाओं और सांस्कृतिक परिवर्तनों का साक्ष्य बनने का कार्य किया।

### ओरछा के प्रमुख आकर्षण



### ओरछा किला

यह किला ओरछा का प्रमुख आकर्षण है, जो नदियों और जंगलों से घिरा हुआ है। किले का निर्माण राजा वीर सिंह देव ने 16वीं शताब्दी में करवाया था। किले के भीतर राजमहल, छतरियाँ और मंदिर स्थित हैं। किले से ही ओरछा शहर का सुंदर दृश्य देखा जा सकता है।

### छतरियाँ

ओरछा के किले के पास स्थित छतरियाँ बुंदेला राजाओं की समाधियाँ हैं। ये स्मारक नदी के किनारे बने हुए हैं और इनका वास्तुकला बहुत ही आकर्षक है। छतरियों के वास्तुशिल्प और उनके परिसर का दृश्य बहुत ही भव्य और शांतिपूर्ण होता है।

### रामराजा मंदिर

रामराजा मंदिर ओरछा का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान राम को समर्पित है और यहाँ भगवान राम की एक अनोखी प्रतिमा स्थापित है, जो अन्य राम मंदिरों से भिन्न है। यहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

### जंगली महल

यह महल ओरछा किले के भीतर स्थित है और इसका निर्माण राजा वीर सिंह देव ने अपनी पत्नी के लिए करवाया था। जंगली महल की वास्तुकला, जिसमें मुगल और बुंदेला शैली का मिश्रण देखने को मिलता है, पर्यटकों को आकर्षित करती है।

### लक्ष्मी मंदिर

यह मंदिर देवी लक्ष्मी को समर्पित है और अपनी भव्यता और सुंदर वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के भीतर की मूर्तियाँ और चित्रण बहुत ही शानदार हैं।

### चतुर्भुज मंदिर

यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और अपनी भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर ओरछा के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में माना जाता है।

### ओरछा की प्राकृतिक सुंदरता

ओरछा न केवल ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आदर्श स्थल है। यहाँ की शांतिपूर्ण नदियाँ, घने जंगल, और हरे-भरे मैदान एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। ओरछा में बेतवा नदी के किनारे की सुंदरता

पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। बेतवा नदी में बोटिंग करने का अनुभव भी एक अलग ही रोमांचक होता है।

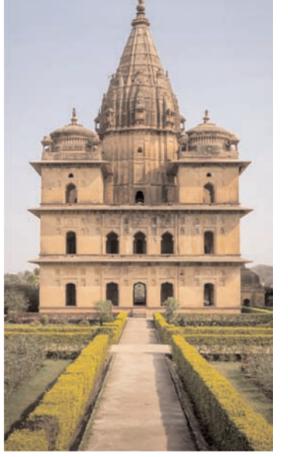
इसके अलावा, ओरछा का मौसम भी काफी मनमोहक होता है, जो यहाँ आने वाले पर्यटकों को सुकून और शांति का अनुभव कराता है। सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसमों में यहाँ की यात्रा की जा सकती है, लेकिन सर्दी का मौसम (नवंबर से फरवरी) यहाँ यात्रा के लिए सबसे आदर्श समय माना जाता है।

### ओरछा का सांस्कृतिक महत्व

ओरछा का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ के मंदिरों और महलों में बुंदेला संस्कृति और वास्तुकला की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ओरछा में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं, जो यहाँ के लोक जीवन को दर्शाते हैं। यहाँ के मेलों और त्योहारों में शामिल होकर आप ओरछा की संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं।

### ओरछा कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा झाँसी है, जो लगभग 15 किलोमीटर दूर है। यहाँ से टैक्सी या बस



ओरछा का इतिहास 16वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, जब यह बुंदेलखंड क्षेत्र के बुंदेला राजवंश के राजा वीर सिंह देव द्वारा स्थापित किया गया था। राजा वीर सिंह देव ने यहाँ किलों, महलों, और मंदिरों का निर्माण कराया, जो आज भी इस स्थल की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में खड़े हैं।

द्वारा आसानी से ओरछा पहुँचा जा सकता है।

रेल मार्ग झाँसी रेलवे स्टेशन, ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है और यह भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। यहाँ से आप टैक्सी या बस द्वारा ओरछा पहुँच सकते हैं।

सड़क मार्ग ओरछा प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। झाँसी, ग्वालियर और कानपुर जैसे शहरों से यहाँ के लिए नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

ओरछा एक ऐसा स्थल है जहाँ आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का अद्भुत मिश्रण देख सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, ऐतिहासिक किले, मंदिर और महल पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। अगर आप भारतीय इतिहास और संस्कृति में रुचि रखते हैं, तो ओरछा की यात्रा आपके लिए एक यादगार अनुभव साबित होगी।

## साल 2025 में जरूर एक्सप्लोर करें ये बेहतरीन जगह, नए एक्सपीरियंस का मिलेगा मौका

पर आपको पारंपरिक हाउसबोट का अच्छा अनुभव मिलेगा। एलेप्पी के नाम से जाना जाने वाली यह जगह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यहाँ पर आप नवंबर से फरवरी के बीच घूमने आ सकते हैं। इस दौरान आप अलापुझा बीच, वेम्बनाड झील, मारारी बीच, कुमारकोम पक्षी अभयारण्य और पुन्नमदा झील के प्राकृतिक परिवेश का अनुभव करें। यहाँ पर रेवी करुणाकरण मेमोरियल म्यूजियम, सेंट मैरी चर्च और अलापुझा लाइट हाउस का लुत्फ उठारें।

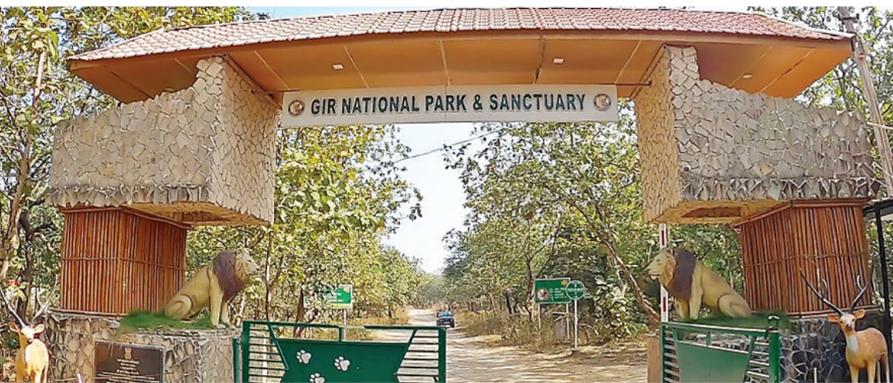
जैसलमेर -जैसलमेर थार रेगिस्तान में बसा है, यह राजधानी की संस्कृति के साथ हमेशा बदलते टीलों और परंपराओं का अनुभव कराने के लिए एक परफेक्ट जगह है। प्राचीन बलुआ पत्थर की वास्तुकला, कभी न खत्म होने वाला

रेगिस्तान और तेज धूप ने जैसलमेर को गोल्डन सिटी का खिताब दिया है। आप नवंबर से फरवरी के बीच इस खूबसूरत शहर को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहाँ पर आप वुड फॉसिल पार्क, कुलधरा गांव, व्यास छतरी, जैसलमेर युद्ध संग्रहालय, जैसलमेर किला, कोठारी की पट्टों की हवेली, गड़ीसर झील, नाथमल जी की हवेली और थार रेगिस्तान को घूमने जा सकते हैं।

गिर नेशनल पार्क -गुजरात में गिर राष्ट्रीय वन के नाम से फेमस यह पार्क भारत में मैजैस्टिक एशियाई शेरों को देखने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह पार्क जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ जिलों में फैला हुआ है। यह काठियावाड़-गुर शुष्क वन का हिस्सा है। नवंबर से मार्च तक का समय इस जगह

को घूमने के लिए सबसे बेहतर है। यहाँ आप जंगल सफारी के जरिए 674 शेर, 300 तेंदुए और 425 पक्षियों की प्रजातियों में से कोई एक देख सकते हैं।

गोवा - समृद्ध पुर्तगाली संस्कृति, जीवंत नाइटलाइफ और शानदार समुद्र तट की वजह से गोवा साल भर घूमने के लायक है। साल 2025 में भी गोवा भारत में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। वैसे तो गोवा घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी का है। इस दौरान आप कलंगुट, अरम्बोल, अगोंडा, पणजी, कैंडोलिम, बागा, वागाटोर, कोल्वा, पालोलेम और वर्का की खोज करें। समुद्र तट पर मौज-मस्ती के अलावा कयाकिंग, सर्फिंग या स्कूबा डाइविंग भी कर सकते हैं।



दुनियाभर में घूमने-फिरने में दिक्कत रखने वाले लोग हमेशा कहीं न कहीं की ट्रिप प्लान कर लेते हैं। फेमस पर्यटन स्थल हर किसी के पसंदीदा होते हैं। इन जगहों पर कभी पर्यटकों की कमी नहीं होती है। सालों से इन जगहों पर पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इस लिस्ट में विदेशी पर्यटक स्थल और देश के पर्यटक स्थल दोनों शामिल हैं। बता दें कि जो लोग शानदार प्राकृतिक नजारा को देखना चाहते हैं, उनके लिए भारत पर्यटन स्थलों

से समृद्ध देश है। यहाँ पर समुद्री तटों के विकल्प और ऊंची बर्फाली पहाड़ियाँ हैं। हरे-भरे मैदानी क्षेत्र तो सफेद रेतीले मैदान भी हैं। आप जंगल सफारी से लेकर ऊंट सफारी और क्रूज से लेकर फैरी तक के सफर का आनंद उठा सकते हैं।

बता दें कि साल 2024 में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। साल 2024 में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद करोड़ों की संख्या में सैलानी अयोध्या पहुंचे। तो दूसरी ओर पीएम मोदी के आह्वान पर

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षदीप पर पर्यटकों की काफी संख्या बढ़ी। वहीं अब साल 2025 में भी कई पर्यटन स्थल लोकप्रिय हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल 2025 में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए देश के पांच फेमस पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं। आलापुझा, केरल - अगर आप भी केरल की प्राकृतिक सुंदरता को निहारना चाहते हैं, तो अलापुझा जा सकते हैं। यहाँ

## रंगारंग लेजर शो के बीच मोदी ने किया देवभूमि में राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी में 38वें राष्ट्रीय खेलों का विभिन्न लेजर शो के बीच आगाज हो गया। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर स्थित राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतर्राष्ट्रीय बेर्डमिंट खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रीय खेलों की मशाल 'तेजस्विनी' सौंपी। वहीं, देश भर से आई पंक्ति में खिलाड़ी टीमों ने अपने ध्वजों के साथ मार्च पास्ट किया।



बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। श्री मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बदरीनाथ जी, माँ गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है। इस युवा राज्य में देश के कोने-कोने से आए हज़ारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज खेलों इंडिया सीरीज में कई सारे नए

दुर्नामिंत जोड़े गए हैं। खेलों इंडिया से जुड़कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले लद्दाख में खेलों इंडिया गेम्स का पांचवां एडिशन शुरू हो चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकेतों सांसद टैलेंट को आगे बढ़ने के लिए सांसद खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन करवा रहे हैं। काशी संसदीय क्षेत्र से सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से संकेतों खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'हम स्पोर्ट्स को सर्वांगीण विकास का माध्यम मानते हैं। जब खेल में कोई आगे बढ़ता है तो देश की साख और प्रोफाइल बढ़ता है इसलिए आज स्पोर्ट्स को भारत के विकास और आत्मविश्वास से जोड़ना चाहिए। हम स्पोर्ट्स को भारत के सर्वांगीण विकास का एक प्रमुख माध्यम मानते हैं।'

## आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने लॉन्च की नई जर्सी



नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 का आगाज 21 मार्च से होगा। इस बीच लगभग सारी टीमों ने अपनी तैयारियों को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। बहरहाल राजस्थान रॉयल्स ने अपनी नई जर्सी लॉन्च की है। राजस्थान रॉयल्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया है। इस पोस्ट में नई जर्सी को देखा जा सकता है। हालांकि, इस नई जर्सी में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं है। वहीं इस वीडियो में जयपुर की झलक साफतौर पर देखने को मिली। साथ ही फेंचइजी का कहना है कि इस नई जर्सी में राजस्थान के कण-कण के इतिहास की झलक देखने को मिलेगी। राजस्थान रॉयल्स के वीडियो में नए हेड कोच राहुल द्रविड भी नई जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा शेन वॉन, शेन वॉटसन, स्टीव स्मिथ, जोस बटलर के अलावा रविचंद्रन अश्विन का भी नाम उन्होंने अपनी नई जर्सी के लॉन्च वीडियो में दिखाया है। सोशल मीडिया पर राजस्थान रॉयल्स का पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि, पिछले 2 सीजन में संजु सैमसन की अगुवाई में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। लेकिन टाइल तक पहुंचने में टीम नाकामयाब रही है। इस बार राजस्थान रॉयल्स को नजर खिताब के सूखे को खत्म करने पर होगा।

## आदिल रशीद हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है : जोस बटलर

राजकोट। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का मानना है कि उनकी टी20 टीम में लेग स्पिनर आदिल रशीद सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। रशीद की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने तीसरा टी20 जीतकर झूंखला में वापसी की। उन्होंने वार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। चेन्नई में दूसरे टी20 में भी उनका इकोनॉमी रेट वार रन प्रति ओवर से कम था। भारत को 26 रन से हराने के बाद बटलर ने कहा, 'वह हमारे लिए सबसे अहम खिलाड़ी है और उसके प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। उसके पास काफी विविधता है। एक कप्तान के लिए वह ट्रपकार्ड से कम नहीं है। पिछले दोनों मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है।' श्रृंखला में अभी भी 1-2 से पीछे होने के बावजूद बटलर ने कहा कि उनकी टीम सही दिशा में जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूँ। लिवी (पांच छक्के लगाने वाले लिविंगस्टोन) ने जबर्दस्त छक्के लगाए। उसके अलावा रश (रशीद) और वुडी (मार्क वुड) को भी श्रेय जाता है जिन्होंने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़े। मुझे पता था कि 170 का स्कोर अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'हम इसी शैली में आगे खेले त रहेंगे। गेंद और बल्ले दोनों से आक्रामक प्रदर्शन करेंगे।'



## हरियाणा के खिलाफ अहम मुकाबले में केएल राहुल कर्नाटक टीम में



बेंगलुरु (एजेंसी)।

क्राई फाइल में जगह बनाने के लिए त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी कर्नाटक की टीम को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के नूतनस्वितार से शुरू हो रहे आखिरी लीग मैच में शीर्ष पर काबिज हरियाणा के खिलाफ बोनास अंक के साथ जीत दर्ज करनी होगी और केएल राहुल की वापसी से टीम को मदद मिलने की उम्मीद है। कर्नाटक के इस समय 19 और हरियाणा के 26 अंक हैं जबकि केरल के 21 अंक हो गए हैं।

कर्नाटक अग्र बोनास अंक (कुल सात अंक) के साथ जीतता है तो उसे 26 अंक हो जाएगा। ऐसे में वह शीर्ष या दूसरे स्थान की टीम के रूप में क्राई फाइल में पहुंच जाएगा। गत चैम्पियन केरल को तिरुवनंतपुरम में बिहार से खेलना है। बोनास अंक के बिना भी जीतने पर केरल के 27 अंक होंगे और वह ग्रुप सी में शीर्ष पर होगा। ऐसे में हरियाणा बाहर हो सकता है क्योंकि कर्नाटक के उससे ज्यादा अंक होंगे। शीर्ष स्थान की टीम का फेसला इस बार बोनास अंक के आधार पर हो रहा है जबकि पहले नेट स्कोर के अलावा आमने सामने के रिकॉर्ड के आधार पर होता है।

कर्नाटक को अगर छह अंक मिलते हैं तो उसके 25 अंक होंगे और उसे दुआ करनी होगी कि केरल और बिहार का मैच या तो ड्रॉ हो या बिहार जीत जाए। राहुल 2020 के बाद पहला रणजी मैच खेलेगा। कर्नाटक के कोच यरे गोड ने कहा कि वह हरियाणा के खिलाफ तीसरे नंबर पर उतरेगा। उन्होंने कहा, 'उसके पास अग्र अनुभव है। हम देखेंगे कि वह अंतिम एकादश में किसकी जगह लेते हैं लेकिन यह तय है कि वह तीसरे नंबर पर उतरेगा।'

## आईसीसी टी20 रैंकिंग में तिलक दूसरे नंबर पर पहुंचे, वरुण भी शीर्ष पांच में पहुंचे

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के तिलक वर्मा दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के ही स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 25 स्थान की लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं बल्लेबाजों की सूची में ट्रेविस हेड नंबर एक पर हैं। तिलक ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नाबाद 19, नाबाद 72 और 18 रन बनाए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। इस सीरीज में अभी दो मैच खेले जाने बाकी हैं, ऐसे में तिलक के पास रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का अवसर है।



इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा हासिल की गई चौथी सबसे बड़ी रैंकिंग है। इस छोटे प्रारूप में भारत की तरफ से केवल सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली और केएल राहुल ही उनसे अधिक रैंकिंग अंक हासिल कर पाए। वहीं युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 59 स्थान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि इंग्लैंड के लियाम

लिविंगस्टोन पांच पायदान ऊपर 32वें स्थान पर और बेन डेविस 28 पायदान ऊपर 68वें स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे मैच में 24 रन देकर पांच विकेट लेने वाले वरुण अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष के पांच गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। उनके साथी स्पिनर अक्षर पटेल पांच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद टी20 अंतरराष्ट्रीय कि गेंदबाजों की रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह 2023 में पहले नंबर पर पहुंचे थे। वहीं भारतीय भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमरा टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।

## पीटरसन ने हैरी को आधुनिक समय का सबसे अच्छा क्रिकेटर बताया



लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अपने देश के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रुक की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे आधुनिक समय का सबसे अच्छा क्रिकेटर कारार दिया है। इससे साफ है कि अब पीटरसन के पसंदीदा खिलाड़ी विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह नहीं बल्कि हैरी हो गये हैं। हैरी ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धूम मचाई है। वह सभी प्रारूपों में गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता के कारण खासे सफल हुए हैं। हेर ने हालांकि इंडन गार्डन्स में सीरीज के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन के लिए स्मॉग को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि इससे भारतीय स्पिनरों की गेंदें देखने में परेशानी आई थी। ब्रुक दूसरे टी20 में वह एक बार फिर से स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बोलचाल हो गए। वहीं तब कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री ने ब्रुक द्वारा पिछले मैच में स्मॉग को जिम्मेदार बताने वाले हैरी बयान को याद दिलाते हुए तंज कसा कि एक बार फिर से वरुण ने उनका विकेट लिया पर इस दौरान कोई धुंध नहीं थी। यह सीधी गेंद थी जोकि स्टंप से जा लगी।

## सूर्यकुमार ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया



राजकोट। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इसका कारण खराब बल्लेबाजी रहा। साथ ही कहा कि जब तक हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल बल्लेबाजी कर रहे थे तब तक मैच हमारे हाथ में था। उन्होंने माना कि इंग्लैंड के गेंदबाज आदिल राशिद ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। उससे हमारे बल्लेबाज स्ट्राइक रोकेट नहीं कर पाये। 'उन्होंने कहा, 'हम हमेशा हर मैच से कुछ न कुछ सीखते हैं। हमें बल्लेबाजी को ध्यान में रखते हुए अपनी कमियों को देखना होगा। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर सायस जाना होगा और अपनी गलतियों से सीखना होगा। साथ ही कहा कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अभ्यास सत्रों के दौरान कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह अनुशासित हैं और कड़ी मेहनत के कारण उन्हें मैदान पर विकेट मिल रहे हैं। दोनों ही टीमों के बीच अब अब 31 जनवरी को चौथा मैच खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का प्रयास जीत दर्ज करना रहेगा।

## स्टीव स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ ठोका सबसे तेज 35वां टेस्ट शतक, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड



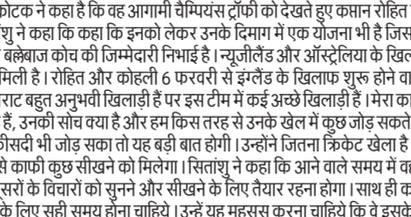
गॉले (श्रीलंका) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जिसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे तेज शतक ठोका। उन्होंने गॉले के मैदान पर स्टंप तक 188 गेंदों में 10 चौकों और 1 छक्के के दम पर नाबाद 104 रन बनाए। ये उनके टेस्ट करियर का 35वां शतक है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले प्लेयर्स की फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं वो इस एलीट लिस्ट में सातवें बल्लेबाज बन गए हैं।

वहीं 35 वर्षीय स्मिथ ने पारियों के लिहाज से सबसे तेज 35 टेस्ट शतक कांप्लेट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर एंटी मारी हैं। उन्होंने 115वें टेस्ट के दौरान 205वीं पारी में ये आंकड़ा बनाया है। वहीं टेस्ट में सबसे तेज 35 शतक ठोकने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिची पोर्टिंग के नाम है। उन्होंने 194वीं पारी में ऐसा किया था। पोर्टिंग ने अपने करियर में 168 टेस्ट में कुल 41 शतक जमाए। दूसरे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। जिन्होंने 200वीं पारी में 35 टेस्ट सेंचुरी पूरी की है। सचिन ने 200 टेस्ट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाए। स्मिथ ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कुमार संगकारा को पछड़ा है, जो अब चौथे पायदान पर है। संगकारा ने 134 टेस्ट में कुल 36 सेंचुरी लगाईं। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के

पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 166 मुकाबलों में 45 टेस्ट शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज क्रूट ने 268 पारियों में ये कारनामा दर्ज किया है। क्रूट ने अभी तक 152 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 36 शतक जमाए। जबकि पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड सातवें स्थान पर हैं। जिन्होंने 272 पारियों में 35 शतक पूरे किए हैं। साथ ही स्टीव स्मिथ ने इस दौरान एक अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया है। दरअसल, वह श्रीलंकाई सरजमीं पर तीन शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 2022 में श्रीलंका दौर पर गॉले में नाबाद 145 रनों की पारी खेली थी। स्मिथ ने 2016 में कोलंबो के स्टेडियम में 119 रन जुटाए थे। मैच की आकर में तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन स्टंप्स तक 81.1 ओवर में दो विकेट पर 300 रन जोड़े।

## रोहित और कोहली के साथ काम करने को उत्साहित हैं बल्लेबाजी कोच सितांशु

राजकोट। भारतीय क्रिकेट टीम के नए बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि वह आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। सितांशु ने कहा कि कहा कि इनको लेकर उनके दिमाग में एक योजना भी है जिसके लिए दोनों से ही वह बात करेंगे। सितांशु ने इससे पहले भी एनसीए और भारत ए स्तर पर बल्लेबाज कोच की जिम्मेदारी निभाई है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी मिली है। रोहित और कोहली 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम से जुड़ेगे। सितांशु ने कहा कि रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं पर इस टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। मेरा काम यह समझने की कोशिश करने के बारे में कि खिलाड़ी अपने खेल की योजना कैसे बना रहे हैं, उनकी सोच क्या है और हम किस तरह से उनके खेल में कुछ जोड़ सकते हैं। मैं इसी तरह सोचता हूँ। उन्होंने कहा कि मैं अगर किसी खिलाड़ी के खेल में दो या पांच फीसदी भी जोड़ सका तो यह बड़ी बात होगी। उन्होंने जितना क्रिकेट खेला है और जिस तरह का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा। मुझे भी उनसे काफी कुछ सीखने को मिलेगा। सितांशु ने कहा कि आने वाले समय में वह विराट और रोहित से बात करेंगे। साथ ही कहा कि यह खेल इसी तरह चलता है, आपको दूसरों के विचारों को सुनने और सीखने के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही कहा कि वे अगर मुझ से कुछ पूछना चाहते हैं तो मेरे दिमाग में कुछ बातें हैं जो मैं कहूंगा पर इसके लिए सही समय होना चाहिए। उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि वे इसके लिए तैयार हैं।



लगातार चर्चाएं चल रही हैं। कुछ समय पहले जब इंग्लैंड वनडे सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान किया गया था तो सभी यह बात कह रहे थे कि उनको मौका क्यों नहीं मिला। बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने हाल के दिनों में घरेलू क्रिकेट के महत्व पर जोर दिया है, लेकिन नायर के लिए वनडे टीम में जगह बनाना आसान नहीं था। बीसीसीआई सूत्र ने कहा कि अगर आपको 15 में करुण को चुनना हो तो आप किससे छोड़ेंगे? आप श्रेयस अय्यर जैसे किसी खिलाड़ी को नहीं छोड़ सकते, जिन्होंने वनडे टेस्ट डेवियम में 2023 एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में शतक बनाया और घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में शानदार फॉर्म में हैं।

## घरेलू क्रिकेट में टैलेंट की कद्र न हुई तो इस क्रिकेटर ने किया विदेश का रुख

खेल डेस्क। टीम इंडिया में जगह बनाना मुश्किल होता जा रहा है। बहुतेर क्रिकेटर आईपीएल से टीम इंडिया में शीकी एंटी ले लेते हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम इंडिया में जगह नहीं दिला पाता। ऐसा ही कुछ करुण नायर के साथ हुआ है। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले करुण सिर्फ दूसरे प्लेयर हैं। उन्होंने 8 साल बाद भारतीय टीम में वापसी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में जमकर बल्ल चलाया। 5 शतक के साथ 779 रन बना दिए लेकिन यह भी उनके काम नहीं आए क्योंकि बीसीसीआई ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए उनके नाम पर विचार ही नहीं किया। बीसीसीआई द्वारा प्रदर्शन के बावजूद टुकड़ने जाने के बाद करुण नायर ने आखिरकार विदेश को रुख कर लिया है।

करुण जल्द ही अपने क्रिकेट करियर को जिंद कराने के लिए काउंटी क्रिकेट में हाथ आजमा सकते हैं। भारत की तरह इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला जाता है जो एक घरेलू टूर्नामेंट है। जिसमें राज् टीमें हिस्सा लेती हैं। अच्छी बात यह है कि इन टीमों में दूसरे देशों से भी टैलेंटेड प्लेयरों को जगह दी जाती है।

**वीते नोले बोले थे- मरा सपना हमेशा देश के लिए खेलना**

करुण ने विजय हजारे ट्रॉफी से पहले कहा था कि मेरा सपना हमेशा देश के लिए खेलना होता है। इसलिए, हां, सपना अभी भी जिंद है। यही कारण है कि हम यह खेल खेलते हैं, अपने देश के लिए खेलना। इसलिए, मेरा एकमात्र लक्ष्य देश के लिए

खेलना था। मुझे लगता है कि यह मेरी तीसरी वापसी है (हंसेते हुए)। और मुझे वही करना जारी रखना होगा जो मैं इस समय कर रहा हूँ। मैं जितने खेला जाता है जो एक घरेलू टूर्नामेंट है। जिसमें राज् टीमें हिस्सा लेती हैं। अच्छी बात यह है कि इन टीमों में दूसरे देशों से भी टैलेंटेड प्लेयरों को जगह दी जाती है।

**विजय हजारे ट्रॉफी में बनाए थे 779 रन**

33 वर्षीय करुण नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के इस सीजन में 9 मैचों की 8 पारियों में 389.50 की औसत से 779 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 163 \* के बेस्ट स्कोर के साथ 5 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा है। वह इस विजय हजारे सीजन सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस वजह से उनके वापसी की





## एवंजर्स - एंडगेम निर्देशक के साथ दोबारा जुड़े रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता दोबारा एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की आगामी एक्शन थ्रिलर मैचबॉक्स में निर्देशक सैम हार्ग्रैव के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में जॉन सीना भी हैं। इससे पहले उन्होंने निर्देशक के साथ साल 2020 में नेटफ्लिक्स एक्सट्रैक्शन में काम किया था। रिपोर्ट के मुताबिक लाइव-एक्शन फिल्म, जो मेटल की लोकप्रिय मैचबॉक्स टॉय व्हीकल लाइन से प्रेरित है में हॉलीवुड सितारे टियोना पैरिस, जेसिका बील और सैम रिचर्डसन भी होंगे। मौजूदा समय में फिल्म का प्रोडक्शन बुडापेस्ट में चल रहा है। फिल्म का निर्देशन एवंजर्स-एंडगेम और एक्सट्रैक्शन 2 के निर्देशक हार्ग्रैव कर रहे हैं।

### क्या है फिल्म की कहानी?

यह फिल्म मशहूर मैचबॉक्स कार लाइन पर आधारित है, जिसकी शुरुआत 1953 में हुई थी जब जैक ओडेल ने अपनी बेटी के लिए माचिस की डिब्बी में फिट होने लायक एक खिलौना बनाया था। मेटल ने रिपोर्ट की है कि दुनिया भर में हर सेकंड दो मैचबॉक्स कारें बिकती हैं।

### हार्ग्रैव के साथ काम करने को उत्साहित हैं हुड्डा

वैरायटी के मुताबिक रणदीप हुड्डा ने हार्ग्रैव के साथ फिर से काम करने को लेकर अपना उत्साह जताया है। अभिनेता ने कहा, 'सैम के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्साहित हूँ। 'एक्सट्रैक्शन' में काम करते हुए हमने एक अच्छा समय साथ में बिताया। सैम हाई-ऑक्टैव स्टोरीटेलिंग और एक्शन के मास्टर हैं। बुडापेस्ट में टीम में शामिल होने पर खुशी है।

### रणदीप हुड्डा का वर्क फ्रंट

रणदीप हुड्डा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। उन्होंने हाल ही में स्वातंत्र्य वीर सावरकर का निर्देशन और अभिनय किया। उनके आगामी कार्यों में सनी देओल अभिनीत और गोपीचंद मल्लिनेनी द्वारा निर्देशित जाट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित अर्जुन उस्तारा से भी जुड़े हुए हैं।



## अलग ढंग से फैस के साथ बॉबी देओल ने मनाया जन्मदिन, आश्रम सीरीज के लिए एक्साइटेड नजर आए

बॉबी देओल ने जब से 'एनिमल' फिल्म में अबरार का रोल किया है, उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। एक्टर के कुछ फैस ने 27 जनवरी को उनके घर के बाहर आकर बर्थ डे विश किया। साथ ही बर्थ डे सेलिब्रेशन भी अलग ही ढंग से किया। बॉबी देओल भी अपने फैस से बड़े ही प्यार से मिलते हुए नजर आए। बॉबी देओल के कई फैस उनके घर के बाहर एक्टर का जन्मदिन मनाने के लिए पहुंचे थे। घर के बाहर फैस ने हेप्पी बर्थ डे सॉन्ग एक्टर के लिए गाया। साथ ही कुछ फैस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा केक और एक बड़ा सा लड्डू लेकर पहुंचे। केक और लड्डू को अपने बर्थ डे पर फैस सामने एक्टर ने काटा। वह इस मौके पर काफी खुश नजर आए। केक काटने के बाद बॉबी देओल ने फैस को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया कहा। साथ ही फैस और पेपराजी के कहने पर बॉबी देओल ने फिल्म 'एनिमल' का एक सिग्नेचर सीन भी करके दिखाया। जब बॉबी ने फिल्म का सीन रिक्रिएट किया तो फैस ने खुब तालियां बजाईं।

### आश्रम सीरीज को लेकर दिया अपडेट

अपने जन्मदिन के मौके पर फैस को बॉबी देओल ने बताया कि उन्हें

अपनी वेब सीरीज 'आश्रम' के अगले सीजन का इंतजार है। वह अपनी इस सीरीज का एक डायलॉग जपाना भी बोलते हुए देखे गए। इसी सीरीज में बॉबी का किरदार लड्डू खिलाकर, अपने भक्तों को वश में करता था। इसलिए फैस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा लड्डू बनाकर जन्मदिन पर लाए थे।



## 12वीं फेल के बाद अब कॉमेडी करती दिखेंगी मेधा शंकर निम्रत-सनी भी साथ आएंगे नजर

सनी कौशल, निम्रत कौर और मेधा शंकर जल्द ही एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि यह जासूसी कॉमेडी फिल्म होगी। यह पहला मौका होगा जब तीनों कलाकार एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। हाल ही में रोमांटिक थ्रिलर फिर आई हसीन दिलरुबा में अपनी अदाकारी से दर्शकों का ध्यान खींचने वाले सनी कौशल राजस्थान में अपनी इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं।

### कौन बना रहा फिल्म?

हालांकि इस फिल्म के बारे में सनी कौशल की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। निर्माताओं की ओर से अब तक फिल्म को लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसे लक्ष्मण उतेकर और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं।

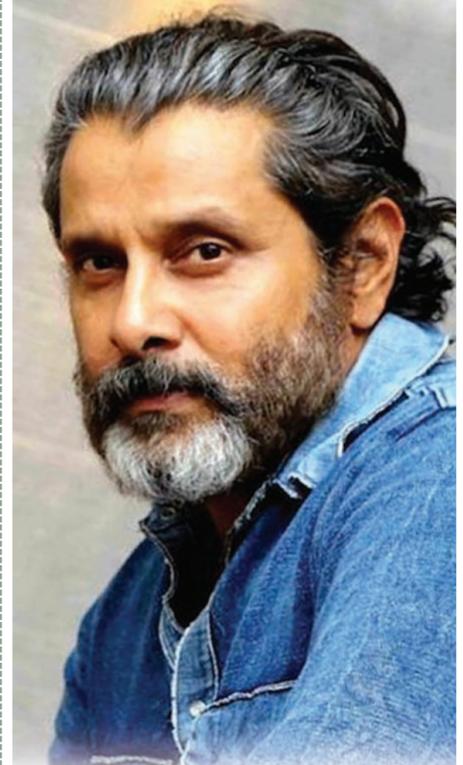
### फिर आई हसीन दिलरुबा से

### सनी ने खूब लूटी वाहवाही

साल 2024 में सनी ने फिर आई हसीन दिलरुबा में एक दिलचस्प भूमिका अदा की थी। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में वह तापसी पन्नू और विक्रान्त मेसी के साथ नजर आए थे। फिल्म में तापसी और विक्रम ने सनी कश्यप और ऋषभ के किरदारों को फिर से निभाया था।

### इस फिल्म में दिखी थीं निम्रत कौर

निम्रत कौर की बात करें तो उन्हें हाल ही में सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था। अब वह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगी, जिसमें वह अभिताभ बच्चन और डायना पेंटी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इसके अलावा निम्रत कौर जल्द ही स्काई फोर्स में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ आठ साल के बाद परे नजर आ रही हैं वीर पहाड़िया इस फिल्म से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं।



## सलमान की 'सिकंदर' से टकराएगी चियान विक्रम की वीरा धीरा सूरन

साउथ अभिनेता चियान विक्रम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' की रिलीज डेट से पर्दा उठ चुका है। बुधवार को निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। दिसंबर 2024 में फिल्म का टीजर जारी किया गया था। टीजर ने अभिनेता के फैस की धड़कनों को तेज कर दिया था और उनकी उत्सुकता को भी बढ़ाया था।

### इस दिन रिलीज होगी 'वीरा धीरा सूरन'

चियान विक्रम की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' 27 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का सामना बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से होगा। इसके अलावा साउथ की 'लूसिफर 2', 'रॉबिनहुड' और 'मैड 2' भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म को कलेक्शन को लेकर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। विक्रम अभिनीत इस फिल्म को 'पोंगल 2025' पर रिलीज दया जाना था, लेकिन जब अजित की 'विदामुयाची' को त्योहार के लिए घोषित किया गया, तो 'वीरा धीरा सूरन' की तारीख बदल दी गई।

### पोस्ट प्रोडक्शन में चल रही फिल्म

'वीरा धीरा सूरन' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसका पोस्ट-प्रोडक्शन का काम फिलहाल जॉरों पर है। फिल्म में चियान विक्रम के अलावा एसजे सुर्या, अभिनेत्री दुशारा विजयन और लोकप्रिय मलयालम अभिनेता सूरज वेंजरअमूडू सहित कई कलाकार शामिल हैं। फिल्म को तीन भाषाओं तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा

### चियान विक्रम का वर्क फ्रंट

साउथ अभिनेता चियान विक्रम को आखिरी बार समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पीरियड ड्रामा फिल्म 'थंगालान' में देखा गया था। इसके बाद वह 'वीरा धीरा सूरन' में नजर आएंगे। फैस उनकी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

## शहनाज गिल ने खुद को ही किया बर्थ डे विश, जन्मदिन पर दोस्तों-फैस ने भी बरसाया प्यार

शहनाज गिल की सोशल मीडिया पर काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है, उनका अपना अलग ही फैन बेस है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कुछ फोटो शेयर की। इन तस्वीरों में वह केक काटते हुए, अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेशन के अंदाज में दिखीं। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर जन्मदिन मनाने हुए जो तस्वीर साझा की है, उसके साथ कैप्शन लिखा है- 'हेप्पी बर्थ डे मी'। वहीं शहनाज के दोस्तों और फैस ने भी उन्हें जन्मदिन पर विश किया है। इन बर्थ डे विशेष को शहनाज के अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। शहनाज को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों में अली गोनी, माही विज, अननीत कौर, एकता कपूर और सोफी चौधरी जैसे कई सेलिब्रिटीज शामिल रहे।

### ये हैं अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

शहनाज गिल के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह एक पंजाबी फिल्म 'इक कुडी' शूटिंग कर रही हैं। इससे जुड़ा अपडेट वह अपने इंस्टाग्राम पेज पर देती रही हैं। हाल ही में शहनाज ने रैपर सिंघर हनी सिंह के साथ भी एक म्यूजिक वीडियो किया है, इसे काफी पसंद किया गया है। शहनाज पंजाबी फिल्मों में एक्टिंग और सिंगिंग करती रही हैं। हिंदी फिल्मों में उनके लिए राह 'बिग बॉस 13' के कारण खुली थी। वह इस रियलिटी शो में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। यहां उनकी मुलाकात सिद्धार्थ शुक्ला से भी हुई। दोनों के बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री, कनेक्शन बन गया था। शो से बाहर आने के बाद भी दोनों साथ नजर आए। ऐसा कहा जाने लगा कि दोनों रिलेशनशिप में थे लेकिन 2021 में सिद्धार्थ शुक्ला का हार्ट अटैक से निधन हो गया। सिद्धार्थ के जाने के बाद शहनाज काफी समय तक सदमे में रही, इससे उबरने में एक्ट्रेस को बहुत समय लगा। अब शहनाज अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं।



## डांस में शाहिद कपूर को कौन सी अभिनेत्री दे सकती है टफ कंपटीशन बोले- बहुत अच्छी डांसर हैं...

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। शाहिद अभिनेता होने के साथ ही बेहतरीन डांसर भी हैं, जिसका उदाहरण उनकी कई फिल्मों में देखा जा सकता है। फिल्म देवा के टीजर में शाहिद का डांस हर किसी को पसंद आया। इसी फिल्म के प्रचार के दौरान जब शाहिद से पूछा गया कि वह कौन अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जब शाहिद कपूर से पूछा गया कि उनके हिसाब से कौन सी ऐसी अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। जब शाहिद की को-स्टार उनसे कहती कि थोड़ा कम डांस करा कर यार। तो इस पर शाहिद कहते थे कि वह डांस करना नहीं बंद कर सकते। कथित तौर पर शाहिद ने प्रियंका चोपड़ा का नाम लिया और उनकी तारीफ की और उन्हें बहुत अच्छी डांसर बताया। इसके बाद उन्होंने दीपिका पादुकोण, पूजा

हेगड़े, कियारा आडवाणी और अमृता राव सहित कई अभिनेत्रियों के नाम बताए, जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

### कैटरिना से लेकर पूजा तक की तारीफ की

शाहिद कपूर ने कहा, 'वैसे तो बहुत सारी अभिनेत्रियां हैं, जो शानदार डांसर हैं। उनमें से कई के साथ मैं पहले भी काम कर चुका हूँ। प्रियंका बहुत अच्छी डांसर हैं, दीपिका बहुत अच्छी डांसर हैं। मुझे फिल्म देवा में पूजा हेगड़े के साथ डांस करने में मजा आया। कियारा एक अच्छी डांसर हैं, लेकिन हमने साथ में डांस नहीं किया है। यहां तक कि अमृता भी अच्छी डांसर हैं, जब मैंने उनके साथ काम किया था। मैंने कैटरिना के साथ कभी कोई गाना नहीं किया है लेकिन वह एक शानदार डांसर

हैं। शाहिद कपूर और प्रियंका चोपड़ा ने 2009 में फिल्मकमीने और 2012 में फिल्म तेरी मेरी कहानी में साथ काम किया है। वहीं, शाहिद और दीपिका नेपद्मावत में साथ काम किया है। कियारा आडवाणी

और शाहिद नेकबीर सिंह में साथ काम किया है, जबकि उन्होंनेविवाह में अमृता राव के साथ काम किया है। अब शाहिद पूजा हेगड़े के साथ फिल्म देवा में नजर आएंगे।

## करीना कपूर के बचाव में आई दिवंकल खन्ना, बोलीं-ऐसी बेवकूफी भरी अफवाहें...

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले पर अब बॉलीवुड सितारे भी खुलकर आए हैं। इस हमले पर अब दिवंकल खन्ना ने भी बात की है। उन्होंने सैफ पर हुए हमले के बाद करीना कपूर खान पर हुई ट्रोलिंग को लेकर बात की है। दिवंकल खन्ना ने लिखा, अपने कॉलम में करीना कपूर का बचाव किया है। उन्होंने बताया कि ऐसीबेवकूफी भरी अफवाहें हैं कि घटना के दौरान बेबी घर पर नहीं थीं या अपने पति की मदद करने के लिएबहुत ज्यादा नशे में थीं। दिवंकल खन्ना ने कहा कि लोगों को बस पत्नियों पर दोष डालने पर मजा आता है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के बारे में भी दिवंकल खन्ना ने बात की है। उन्होंने कहा, जब विराट कोहली आउट होते हैं, तो अनुष्का को हट्टिंग का सामना करना पड़ता है। दिवंकल खन्ना ने कहा कि ये पैटर्न सिर्फ बॉलीवुड

अभिनेत्रियों के लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि पत्नियों के वजन बढ़ने या घटने के लिए पत्नियों को दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने साथी के स्वभाव और यहां तक किगेंजेपन के लिए भी पत्नी को दोषी ठहराते हैं।

